शुक्रवार, 25 अप्रैल 2025

मौसम

तापमान	37 – 27
आर्द्रता	78%
सूर्योदय: 5:09	सूर्यास्त: 18:01

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, वैशाख कृष्णपक्ष द्वादशी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : उनकी जिन्दगी खूबसूरत होती है जो अपने सपने को जीते हैं।

मेरे बेटे ने एक बहादुर सैनिक की तरह जान दी: विनय नरवाल के पिता

–पृष्ठ 7

सरकार ने सर्वदलीय बैठक में कहा

पहलगाम हमला माहौल बिगाड़ने के लिए किया गया

नयी दिल्ली : सरकार ने बृहस्पतिवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहा कि पहलगाम हमला माहौल खराब करने के लिए उस समय किया गया जब जम्मू–कश्मीर की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही थी और पर्यटन फलफूल रहा था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने संवाददाताओं को बताया कि सभी दलों ने कहा कि वे सरकार के साथ हैं और आतंकवाद के खिलाफ हैं। रीजीजू ने कहा कि पार्टी नेताओं को खुफिया ब्यूरो (आईबी) और केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बैठक में मौजूद गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों द्वारा सांसदों को जानकारी दिए जाने के दौरान जहां भी आवश्यक हुआ, हस्तक्षेप किया। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने नेताओं को आतंकवाद और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है। बैठक के बाद सूत्रों ने बताया कि पहलगाम में सैनिक मौजूद थे, लेकिन उन्हें तैनात नहीं किया गया, क्योंकि स्थानीय अधिकारियों को पर्यटकों को बैसरन ले जाए जाने के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि टूर ऑपरेटरों और स्थानीय होटल मालिकों ने पर्यटकों की आवाजाही के बारे में अधिकारियों को सूचित नहीं किया। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं, लेकिन बैठक में कोई ''तीखी बहस'' नहीं हुई। सर्वदलीय बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने सरकार को भरोसा दिलाया कि वे आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में पूरी तरह से उसके साथ हैं। हालांकि, नेताओं ने जम्मू–कश्मीर के इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर सुरक्षा चूक का मुद्दा भी उठाया। बैठक में सरकार ने कहा कि वह सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठा रही है। उसने कहा कि यह हमला ऐसे समय में माहौल खराब करने के लिए किया गया है, जब जम्मू–कश्मीर में अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है और पर्यटन जोर पकड़ रहा है। बैठक के दौरान सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई के बारे में कुछ नहीं बताया और विपक्ष ने भी इस संबंध में कोई विवरण नहीं मांगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सभी दल इस बात पर सहमत हैं कि भारत को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना चाहिए और उन्होंने भरोसा दिलाया है कि वे इस लड़ाई में सरकार के साथ हैं। रीजीजू ने कहा कि सभी दलों के नेताओं ने एक स्वर में कहा है कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, वे उसका समर्थन करेंगे।

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने मानी चूक

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, जहां ये घटना घटी वो मेन रोड पर नहीं है। सभी पार्टी को बताया गया कि सबकुछ सही होते हुए भी एक चूक हुई है और इससे सभी दुखी हैं। हम पता लगाएंगे कि कहां चूक हुई। आगे ऐसी घटनाएं न हो उनके लिए प्रबंधन किया गया है। सभी पार्टी के नेताओं ने एक आवाज में कहा है कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, हम उसमें साथ देंगे। कुछ मुद्दे भी सामने आये, जिनपर सफाई दी गई।

विपक्ष ने सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए समर्थन दिया : राहुल

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को यहां सर्वदलीय बैठक के बाद कहा कि विपक्ष ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए अपना पूरा समर्थन दिया है। राहुल ने संवाददाताओं से कहा, सभी दलों ने (पहलगाम हमले की) एक स्वर में निंदा की। विपक्ष ने सरकार को कोई भी कदम उठाने के लिए समर्थन दिया। इससे पहले, विपक्ष ने मांग की थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बैठक की अध्यक्षता करें। मोदी बृहस्पतिवार को बिहार के मधुबनी के दौरे पर थे, जहां उन्होंने घोषणा की कि पहलगाम के हत्यारों और उनके समर्थकों की पहचान कर उन्हें दंडित किया जाएगा।

पहलगाम हमले के आतंकियों और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी: मोदी

मधुबनी (बिहार) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल सभी आतंकवादियों और इसकी साजिश रचने वालों को ''उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा देने'' का संकल्प जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब आतंकियों की ''बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने'' का समय आ गया है। मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है बल्कि देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने अपने भाषण में कुछ बातें अंग्रेजी में भी कहीं, जिसमें उन्होंने कहा, ''मित्रों, आज मैं बिहार की धरती से पूरी दुनिया को बता देना चाहता हूं कि भारत एक एक आतंकवादी और उनके आकाओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा। हम धरती के आखिरी छोर तक उनका (पहलगाम के हमलावरों का) पीछा करेंगे। आतंकवाद कभी भारत का मनोबल नहीं तोड़ पाएगा।'' मंगलवार को पहलगाम के बैरसन में आतंकी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। इस हमले के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला सार्वजनिक बयान है। मारे गए लोगों में बिहार के मूल निवासी मनीष रंजन भी थे जो हैदराबाद में आसूचना ब्यूरो (आईबी) में 'सेक्शन ऑफिसर' के रूप में पदस्थ थे। मूल रूप से बिहार के रो–हतास जिले के निवासी मनीष का परिवार अब पश्चिम बंगाल के झालदा में रहता है। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर उसे दिए एक संदेश में कहा, '' मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी..सजा मिलकर रहेगी।'' मोदी ने कहा, '' अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है।'' प्रधानमंत्री ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है, करोड़ों देशवासी दुखी हैं। उन्होंने कहा, ''सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन पीड़ितों का इलाज चल रहा है, उनके जल्द स्वस्थ होने के लिए सरकार हर प्रयास कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''न्याय के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। पूरा देश इसके लिए दृढ़संकल्पित है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ देशवासियों का दृढ़संकल्प आतंकवाद की कमर तोड़कर रहेगा। मोदी ने कहा, ''मानवता में विश्वास रखने वाले सभी लोग हमारे साथ हैं, मैं हमारे साथ इस मौके पर खड़े सभी लोगों और विभिन्न देशों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं।''

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

भारत के समय–सीमा तय करने के बाद पाक नागरिक अटारी–वाघा सीमा मार्ग से लौटने लगे

चंडीगढ़ : केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे की समय–सीमा दिये जाने के एक दिन बाद इस पड़ोसी देश के कई नागरिक बृहस्पतिवार को अटारी–वाघा सीमा मार्ग से स्वदेश लौटने लगे। केंद्र ने पाकिस्तानी सैन्य सलाहकार (अताशे) को निष्कासित करने, 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित करने और कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए भीषण आतंकवादी हमले के सीमा–पार संबंधों के मद्देनजर अटारी भूमि–पारगमन चौकी को तत्काल बंद करने सहित कई उपायों की बुधवार को घोषणा की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री के अनुसार, पाकिस्तानी नागरिकों को दक्षेस वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि इस वीजा योजना के तहत फिलहाल भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास देश छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय है।

गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात की

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह बैठक जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर हुई। इस हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। राष्ट्रपति भवन ने बैठक की एक तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।''

शीर्ष अधिकारियों ने जम्मू–कश्मीर और आंतरिक सुरक्षा पर चर्चा की

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में देश के शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की जो एक घंटे तक चली। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, रिसर्च एंड एनलिसि विंग (रॉ) के प्रमुख रवि सिन्हा और कुछ अन्य वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी इस बैठक में शामिल हुए। यह बैठक पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक के एक दिन बाद हुई। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। सूत्रों ने बताया कि शीर्ष अधिकारियों ने जम्मू–कश्मीर के साथ–साथ देश के अन्य हिस्सों में मौजूदा स्थिति और प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों की समीक्षा की।

माध्यमिक परीक्षा के नतीजे 2 मई को होंगे घोषित

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की इस वर्ष की माध्यमिक परीक्षा के परिणाम 70 दिनों के भीतर 2 मई को घोषित किये जायेंगे। गुरुवार को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने अधिसूचना जारी कर बताया है कि परिणाम शुक्रवार 2 मई को सुबह 9.45 बजे वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे। इससे पहले बोर्ड अधिकारी सुबह 9 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नतीजों की घोषणा करेंगे। बता दें कि पिछले वर्ष भी परिणाम इसी दिन घोषित किये गये थे। इस वर्ष माध्यमिक परीक्षाएं 10 फरवरी से शुरू हुई। परीक्षा 22 फरवरी को समाप्त होगी। मध्यमा परीक्षार्थियों की संख्या 9 लाख 84 हजार 894 थी, जो पिछले वर्ष से 62 हजार अधिक है। अभ्यर्थियों ने राज्य में कुल 2,683 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दी। बोर्ड की ओर से बताया गया है कि वेबसाइड ‚‚हलीश‚ल.सीें.ळप अथवा ‚‚लीश–ीिंश्री.पळल.ळप पर लॉग इन कर परीक्षार्थी अपना रोल नंबर डालकर परिणाम देख सकेंगे।

राहुल आज जाएंगे कश्मीर, जानेंगे पहलगाम हमले के घायलों का हाल

नयी दिल्ली : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पहलगाम आतंकी हमले में घायल हुए लोगों का हाल जानने के लिए शुक्रवार को जम्मू–कश्मीर जाएंगे। कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी शुक्रवार को अनंतनाग जिले के अस्पताल में घायलों से मिलकर उनका हाल जानेंगे। आतंकवादियों ने मंगलवार की दोपहर को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी की, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गयी। इस आतंकी हमले में मारे गये लोगों में ज्यादातर पर्यटक थे।

पाकिस्तान ने शिमला समझौते को स्थगित किया, भारतीय उड़ानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद

इस्लामाबाद : पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को भारत के साथ शिमला समझौते और अन्य द्विपक्षीय समझौतों को स्थगित कर दिया, सभी प्रकार के व्यापार पर रोक लगा दी और भारतीय एयरलाइन के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। इसके साथ ही उसने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत उसके लिए निर्धारित पानी के प्रवाह को रोकने या परिवर्तित करने का कोई भी प्रयास युद्ध छेड़ने के समान माना जाएगा। पाकिस्तान ने वाघा सीमा चौकी को भी बंद कर दिया, दक्षेस वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारतीय नागरिकों को जारी सभी वीजा भी निलंबित कर दिए हैं तथा भारतीय उच्चायोग में सैन्य सलाहकारों को वापस जाने को कहा। ये घोषणाएं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद की गईं। शरीफ ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कमतर करने के भारत के कदमों पर उचित प्रतिक्रिया के संबंध में विचार के लिए सरकार के प्रमुख मंत्रियों और तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की।

सरकार ने सिंधु जल संधि स्थगित करने के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने सिंधु जल संधि स्थगित करने के लिए बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही सरकार ने पाकिस्तान को सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने के अपने निर्णय से अवगत कराते हुए कहा कि पड़ोसी देश ने संधि की शर्तों का उल्लंघन किया है। भारत की जल संसाधन सचिव देबाश्री मुखर्जी द्वारा अपने पाकिस्तानी समकक्ष सैयद अली मुर्तजा को लिखे पत्र में इस निर्णय का विस्तृत विवरण दिया गया है। पत्र में कहा गया है कि जम्मू–कश्मीर को निशाना बनाकर पाकिस्तान द्वारा जारी सीमापार आतंकवाद सिंधु जल संधि के तहत भारत के अधिकारों में बाधा उत्पन्न करता है। पत्र में कहा गया है, ''हमने देख रहे हैं कि पाकिस्तान ने सीमा पार आतंकवाद को जारी रखा है।'' इसमें कहा गया है कि इन कार्रवाइयों ने ''सुरक्षा अनिश्चितताएं'' पैदा की हैं, जो भारत की अपने संधि अधिकारों का पूर्ण उपयोग करने में बाधा उत्पन्न करती है।

पाक रेंजर्स ने गलती से सीमा पार करने पर बीएसएफ जवान को हिरासत में लिया, रिहाई के लिए वार्ता जारी

नयी दिल्ली : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान को गलती से पंजाब की सीमा पार कर जाने के बाद पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों के बलों के बीच बातचीत जारी है। उन्होंने बताया कि 182वीं बटालियन के कांस्टेबल पीके साहू को बुधवार को फिरोजपुर सीमा पार से पाकिस्तान रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया। अधिकारी ने बताया कि जवान वर्दी में था और उसके पास सर्विस राइफल भी थी। उन्होंने बताया कि बीएसफ जवान किसानों के साथ था और वह छाया में आराम करने के लिए आगे बढ़ा, जिसके बाद उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने पकड़ लिया। अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ जवान की रिहाई के लिए दोनों देशों के बलों के बीच 'फ्लैग मीटिंग' जारी है। उन्होंने बताया कि ऐसी घटनाएं असामान्य नहीं हैं और दोनों पक्षों के बीच पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। अधिकारी ने बताया कि यह घटना पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में हुई है, जिसके बाद भारत ने आतंकवाद को प्रायोजित करने को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ कई कदम उठाए हैं।

हिंदुओं को जारी दीर्घकालिक वीजा छोड़ सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द: भारत

नयी दिल्ली : भारत ने बृहस्पतिवार को 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को यथाशीघ्र स्वदेश लौटने की सलाह दी। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बीच भारत ने यह कदम उठाया। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। विदेश मंत्रालय ने साथ ही स्पष्ट किया कि वीजा रद्द करने का निर्णय हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों को पहले से जारी दीर्घकालिक वीजा पर लागू नहीं होगा और उनके वीजा 'वैध रहेंगे'। नयी दिल्ली ने 2008 में 26 नवंबर को मुंबई में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत में नागरिकों पर हुए सबसे जघन्य आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों पर जवाबी कार्रवाई के तहत पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की भी घोषणा की।

भारतीय नौसेना के युद्धपोत ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया

नयी दिल्ली : भारतीय नौसेना के मिसाइल विध्वंसक पोत 'आईएनएस सूरत' ने मध्यम दूरी तक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। बताया जा रहा है कि इस मिसाइल की मारक क्षमता करीब 70 किलोमीटर है। नौसेना ने कहा, ''भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक पोत 'आईएनएस सूरत' ने समुद्र में स्थित एक लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक हमला किया, जो नौसेना की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।'' इसने कहा, ''यह उपलब्धि स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन, विकास और संचालन में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाती है और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।'' नौसेना ने कहा कि यह ''मील का पत्थर'' राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा के लिए बल की ''अटूट प्रतिबद्धता'' का सबूत है।

मध्य क्षेत्र में 'अभ्यास आक्रमण' कर रही है भारतीय वायुसेना

नयी दिल्ली : भारतीय वायुसेना (आईएएफ) मध्य क्षेत्र में 'आक्रमण अभ्यास' कर रही है जिसमें उसके अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान भाग ले रहे हैं। सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, एक सूत्र ने बताया कि यह एक नियमित अभ्यास है। भारत के अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों में राफेल, सुखोई–30 और अन्य विमान शामिल हैं। यह अभ्यास ऐसे समय हो रहा है जब मंगलवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है।

भारत के लिये पाक पर पलटवार का मौका

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है।

बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र को कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अधिकारियों को घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता को चुना है।

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

वे पूरी तैयारी और मक्कारी से आए थे

वे जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूंबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है?

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे।

पहलगाम आतंकी हमला

पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था। यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि कश्मीर में जब बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे थे, तब वहां जैसी चौकसी बरती जानी चाहिए थी, उसका अभाव क्यों देखने को मिला?

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथखड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान कोऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

समीक्षा व्यापार

'इस्पात जैसा मजबूत भारत' बनाने के लिए साथ मिलकर काम करे उद्योग: प्रधानमंत्री मोदी

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को उद्योग जगत से 'मजबूत, क्रांतिकारी बदलावों को आगे बढ़ाने वाला और इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत' बनाने के लिए साथ मिलकर काम करने को कहा। प्रधानमंत्री ने इंडिया इस्पात 2025 कार्यक्रम को 'ऑनलाइन' संबोधित करते हुए यह भी कहा कि देश को कच्चे माल की सुरक्षा के लिए अपनी वैश्विक भागीदारी को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने उद्योग से इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए अप्रयुक्त नयी खदानों से लौह अयस्क निकालना शुरू करने का भी आह्वान किया। मोदी ने इस्पात को 'उभरता हुआ क्षेत्र' बताते हुए इसका उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता बतायी, जो विकास की 'रीढ़' है। उन्होंने नई प्रक्रियाओं को अपनाने, नवोन्मेष करने, सर्वोत्तम गतिविधियों का आदान-प्रदान करने और कोयले का आयात कम करने पर भी विचार करने को कहा। मोदी ने इस्पात उद्योग के प्रतिनिधियों को अपने संबोधन में कहा, ''आइए, हम एक मजबूत, क्रांतिकारी बदलावों को आगे बढ़ाने वाला और इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाने के लिए एक साथ मिलकर काम करें।'' उन्होंने स्वीकार किया कि कच्चा माल प्राप्त करना इस्पात क्षेत्र के लिए एक 'बड़ी चिंता' है। उन्होंने सभी से वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने और आपूर्ति व्यवस्था को सुरक्षित करने का आग्रह किया। मोदी ने कहा, ''एक बड़ी चिंता कच्चे माल की सुरक्षा है। हम अभी भी निकल, कोकिंग कोयला और मैंगनीज के लिए आयात पर निर्भर हैं। और इसीलिए, हमें वैश्विक साझेदारी को मजबूत करना चाहिए, आपूर्ति व्यवस्था को सुरक्षित करना चाहिए और प्रौद्योगिकी को उन्नत बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।''

भारत से तनाव बढ़ने के बाद पाकिस्तान के शेयर बाजार में भारी गिरावट

इस्लामाबाद : पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच बृहस्पतिवार को पाकिस्तान के शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी गई। मानक सूचकांक केएसई-100 2206.33 अंकों की गिरावट के साथ 115,019.81 पर बंद हुआ। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को आतंकवादियों की गोलीबारी में 26 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था।

मुकेश अंबानी ने पहलगाम हमले में घायलों के मुफ्त इलाज की पेशकश की

नयी दिल्ली : उद्योगपति मुकेश अंबानी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकवादी हमले में घायल हुए लोगों के लिए बृहस्पतिवार को मुफ्त इलाज की पेशकश की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अंबानी ने एक बयान में कहा कि सभी घायलों को मुंबई में रिलायंस फाउंडेशन सर एचएन अस्पताल में मुफ्त इलाज की पेशकश की जाएगी। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इस हमले में लगभग 20 अन्य घायल हो गए हैं। अंबानी ने कहा, मैं रिलायंस परिवार के सभी सदस्यों के साथ 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में निर्दोष भारतीयों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, हम पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए उन्होंने कहा, मुंबई में हमारा रिलायंस फाउंडेशन सर एचएन अस्पताल सभी घायलों को मुफ्त उपचार प्रदान करेगा।

सात दिन की तेजी पर लगा विराम

सेंसेक्स 315 अंक फिसला

मुंबई : स्थानीय शेयर बाजारों में सात कारोबारी सत्रों की तेजी के बाद मुनाफावसूली हावी होने और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मार्च तिमाही के निराशाजनक नतीजों के बीच बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 315 अंक और निफ्टी 82 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। विश्लेषकों ने कहा कि दिग्गज कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक एवं भारती एयरटेल में बिकवाली आने और एशियाई एवं यूरोपीय शेयरों में नरम रुख के कारण भी बाजार में गिरावट रही। बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 315.06 अंक यानी 0.39 प्रतिशत गिरकर 79,801.43 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 391.94 अंक गिरकर 79,724.55 अंक पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 82.25 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,246.70 अंक पर बंद हुआ। यह सात कारोबारी सत्रों के बाद स्थानीय शेयर बाजार में आई पहली गिरावट है। पिछले सात कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स ने कुल 6,269.34 अंक यानी 8.48 प्रतिशत की छलांग लगाई थी जबकि निफ्टी 1,929.8 अंक यानी 8.61 प्रतिशत उछला था। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) में सर्वाधिक चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एचयूएल के मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ में 3.35 प्रतिशत की गिरावट आने से बिकवाली का रुख हावी रहा। इसके अलावा भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इटर्नल (जोमैटो), महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी गिरावट रही।

एलआईसी ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए दावा निपटान नियमों में ढील दी

नयी दिल्ली : भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए बृहस्पतिवार को दावा निपटान प्रक्रिया में ढील देने की घोषणा की। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए नृशंस आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। एलआईसी ने आतंकी हमले में लोगों की मौत पर दुख जताते हुए एक बयान में कहा कि वह प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए दावों के निपटान में तेजी लाएगी। एलआईसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि बीमा कंपनी ने एलआईसी पॉलिसी के दावेदारों की मुश्किलों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की है।

भारत, दक्षिण अफ्रीका ने स्थानीय मुद्रा में व्यापारिक लेनदेन की संभावना पर चर्चा की

नयी दिल्ली : भारत और दक्षिण अफ्रीका ने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के मकसद से स्थानीय मुद्रा में व्यापारिक लेनदेन और एकीकृत भुगतान संबद्ध प्रणाली की संभावना पर चर्चा की है। वाणिज्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रस्तावित भारत-एसएसीयू (दक्षिणी अफ्रीकी सीमा शुल्क संघ) तरजीही व्यापार समझौते पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस सप्ताह की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के प्रिटोरिया में व्यापार व निवेश पर गठित संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजीटीआई) की बैठक के दौरान इन मुद्दों पर चर्चा की गई। बयान के अनुसार, ''जेडब्ल्यूजीटीआई में चर्चा के प्रमुख बिंदुओं में सीईओ फोरम की बहाली, निवेश सहयोग, कृषि उत्पादों के संबंध में बाजार पहुंच के मुद्दे, भारतीय 'फार्माकोपिया' की मान्यता, स्थानीय मुद्रा में लेनदेन, त्वरित भुगतान प्रणाली/एकीकृत भुगतान संबद्ध प्रणाली शामिल रहे।''

श्रीनगर हवाई अड्डे से बृहस्पतिवार को 110 उड़ानें संचालित, हवाई किराये में कमी आई: सरकार

नयी दिल्ली : पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में फंसे पर्यटकों को वापस लाने के लिए बृहस्पतिवार को आठ अतिरिक्त सेवाओं सहित 110 उड़ानें संचालित की गईं जिनसे 14,000 से अधिक यात्रियों ने यात्रा की। इसके साथ ही नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि श्रीनगर को जोड़ने वाले हवाई मार्ग पर उड़ानों के किराये में दो दिनों के भीतर उल्लेखनीय कमी भी आई है। पहलगाम हमले के बाद हवाई किराया बहुत अधिक बढ़ा दिए जाने पर कई लोगों ने चिंता जताई थी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 25 अप्रैल, शुक्रवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2081, वैशाख कृष्णपक्ष द्वादशी, 11:41 तक, नक्षत्र : पूर्वभाद्रपदा, 08:43 तक, योग : इंद्र, 12:19 तक, सूर्योदय: 5:09, सूर्यास्त: 18:01, चन्द्रोदय : 03:07, चन्द्रास्त: 15:27, शक सम्वतः 1945 सुभाकृतु, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : मीन, राहू काल : 09:59 से 11:34

राशिफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए दिन करियर के लिहाज से अच्छा है। आपको लाभ होने की संभावना है और आपके कार्यस्थल में कुछ बदलाव होने की संभावना है।

वृष : वृषभ राशि के जातकों के लिए दिन फायदेमंद है। आपका दिन परिवार के सदस्यों के साथ अच्छा बीतेगा और आपको लाभ होगा। आपको किसी शुभ कार्य में शामिल होने का अवसर मिलेगा।

मिथुन : मिथुन राशि के जातकों के लिए दिन भाग्यशाली है और आपको अपने पिता का आशीर्वाद और उच्च अधिकारियों की कृपा प्राप्त होगी। आपका मनोबल बढ़ेगा और आपको धन लाभ होगा।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के लिए दिन लाभ लेकर आएगा और आपको अचानक बड़ी मात्रा में धन प्राप्त हो सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

सिंह : सिंह राशि के जातकों के लिए दिन लाभकारी है और आपको राजनीति के क्षेत्र में सफलता मिलने की उम्मीद है। आपको प्रतियोगिता के क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

कन्या : कन्या राशि के जातकों को करियर में सफलता मिलेगी और आपके लिए तरक्की के योग बन रहे हैं। आपको शुभ लाभ होगा और आपका मन रचनात्मक कार्यों में लगेगा।

तुला : तुला राशि के जातकों के लिए दिन शुभ है। आपको शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में आपको विशेष सफलता मिलने की संभावना है। आय के नए स्रोत बनेंगे।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के जातकों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपके धन सम्मान में वृद्धि के योग हैं। आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन, सम्मान, यश और कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु : धनु राशि के जातकों को लाभ होगा और आप घर के लिए उपयोगी वस्तुओं पर काफी खर्च करेंगे। आप सांसारिक सुख-सुविधाओं में खर्च करेंगे और आपकी सुविधाओं में वृद्धि होगी।

मकर : मकर राशि के जातकों को मनचाहा लाभ मिलने से खुशी होगी और आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। आप व्यवसाय में बदलाव करने की योजना बना सकते हैं।

कुम्भ : कुंभ राशि वालों का भाग्य साथ दे रहा है। दिन आर्थिक रूप से शुभ संकेत दे रहा है। आप किसी दीर्घकालीन निवेश की योजना बना रहे हैं तो आपको अचानक से लाभ हो सकता है।

मीन : आज का दिन आपके लिए निराशाजनक रहने वाला है। आपको बिजनेस में नुकसान होने से आपका मन परेशान रहेगा। संतान को किसी नई नौकरी के मिलने से कहीं बाहर जा सकते हैं।

वर्ग पहेली नं. 3073

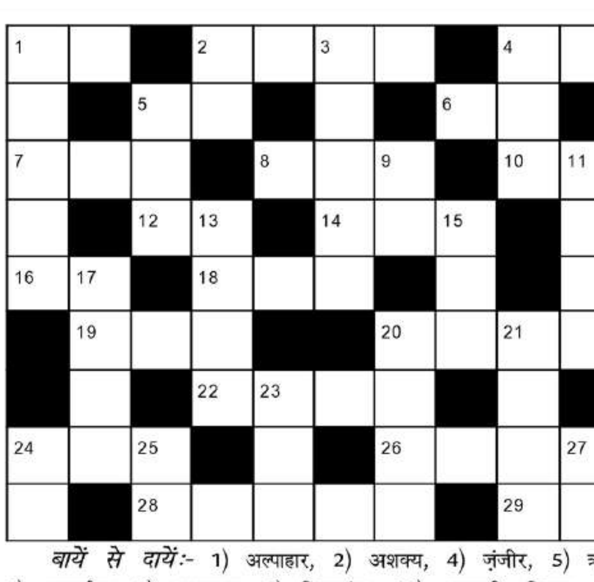

बायें से दायें:- 1) अल्पाहार, 2) अशक्य, 4) ज़ंजीर, 5) ऋण, 6) आकर्षण, 7) पश्चात्ताप, 8) निष्कलंक, 10) अनुभवी; निपुण, 12) ज़िद, 14) जुड़वाँ, 16) पक्षी की विष्ठा, 18) सुगंध, 19) एक दृक्-श्राव्य कलाप्रकार, 20) भूतकाल, 22) नापसंद ; असह्य, 24) राज़ी होना, 26) हेकड़ी; सीनाज़ोरी, 28) असंभव, 29) अनुमति; पसंदगी.

ऊपर से नीचे:- 1) असफलता, 2) प्रार्थना, 3) डरावना, 4) अत्यधिक; असीम, 5) झगड़ा, 9) शोक, 11) क्षमावान, 13) इठलाना, 15) शर्मसार, 17) तंदुरुस्त, 20) ग्रीवा का पीठ की ओर वाला बाह्य भाग, 21) अचूक *(औषध)*, 23) क्रुद्ध; ज्वरग्रस्त, 24) इतने से अधिक नहीं; केवल, 25) अनेक; विविध, 27) निकट भूतकालीन; तुरंत का.

(उत्तरः अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सुडोकू-पहेली-3030

2	6	7						8
4			8	2			1	
				7				
8				3	2			9
	1							
		5		8				7
	9	4	5			8		
	7		6					4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3029 का उत्तर

6	3	4	1	9	7	5	8	2
8	2	9	6	4	5	1	3	7
7	1	5	2	8	3	6	4	9
4	7	1	8	5	9	2	6	3
9	6	8	3	2	1	4	7	5
3	5	2	4	7	6	8	9	1
2	9	6	7	1	4	3	5	8
1	4	7	5	3	8	9	2	6
5	8	3	9	6	2	7	1	4

गाजा की तरह पाकिस्तान को भी धूल में मिटा दिया जाएगा : शुभेंदु अधिकारी

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कोलकाता में भाजपा का शांति जुलूस, मृतकों को दी गई श्रद्धांजलि

कोलकाता, समाज्ञा : कश्मीर में हिंदू पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में राज्य के विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में कोलकाता में एक शांतिपूर्ण जुलूस निकाला गया। यह जुलूस मौलाली से शुरू होकर सियालदह तक गया, जिसमें भाजपा के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। जुलूस में शामिल लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां थामीं और बिना किसी नारे या शोर-शराबे के शांति से अपनी एकजुटता और विरोध प्रकट किया।

इस मार्च में शुभेंदु अधिकारी के साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह, जितेंद्र तिवारी, तापस रॉय और एडवोकेट कौस्तव बागची जैसे प्रमुख चेहरे शामिल थे। जुलूस का मुख्य उद्देश्य कश्मीर में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करना और केंद्र सरकार से इस मामले में कठोर कार्रवाई की मांग करना था। जुलूस के दौरान, विपक्षी दल नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मार्च का एकमात्र उद्देश्य है कि जिस तरह गाजा में इजरायल ने आतंकियों का सफाया किया, उसी तरह भारत को भी हिंदू विरोधी आतंकियों का नामोनिशान मिटा देना चाहिए। हमें उन्हें मुंहतोड़ जवाब देना होगा। चुन-चुन कर इन आतंकियों को मार गिराया जाएगा। हमारा देश एक है और हमारी एकता ही हमारी ताकत है। हम आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

'26 के बदले 260 सिर चाहिए', पाकिस्तानी झंडा फूंककर गरजें शुभेंदु अधिकारी

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में गुरुवार को विधानसभा के बाहर विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पाकिस्तान का झंडा जलाया और तीखा बयान देते हुए कहा कि 26 के बदले 260 सिर चाहिए। शुभेंदु अधिकारी ने भाजपा के 20 विधायकों के साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा के द्वार के पास पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का पुतला भी जलाया। उन्होंने भारत सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की और कहा कि अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान को ग़ाज़ा की तरह धूल में मिला दिया जाए। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया गया है। यह एक सोची-समझी साजिश है। पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने हमारी मातृभूमि पर जो हमला किया है, उसके जवाब में दुश्मन को गिनती नहीं, भारी कीमत चुकानी होगी।

शुभेंदु अधिकारी ने पहलगाम आतंकी हमले में मृत बितान अधिकारी परिवार से की मुलाकात

नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने पहलगाम हमले में मारे गए बितान अधिकारी के परिवार से गुरुवार को मुलाकात की और उम्मीद जताई कि केंद्र व राज्य सरकार दोनों ही जल्द शोक संतप्त परिवार के लिए अलग-अलग आर्थिक सहायता की घोषणा करेंगी। शुभेंदु अधिकारी दक्षिण कोलकाता के वैष्णवघाटा इलाके में मृतक के घर पहुंचे, जहां उन्होंने बितान की पत्नी शोहिनी और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की। इस दौरान अधिकारी ने उन्हें हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया और किसी भी सहायता के लिए भाजपा के दो नेताओं अग्निमित्रा पॉल और रुद्रनील घोष के संपर्क विवरण साझा किए। शुभेंदु अधिकारी ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से कहा कि मुझे उम्मीद है कि केंद्र और राज्य सरकार दोनों ही तुरंत आर्थिक सहायता मुहैया कराएंगी। बितान, परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था और फ्लोरिडा में रहता था। उसकी पत्नी गृहिणी है और उसके बीमार माता-पिता बेहाला में रहते हैं। उन्होंने परिवार के साथ खड़े होने की पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि हम अपनी पार्टी की ओर से हरसंभव सहायता करेंगे। मैंने उन्हें (बितान के परिवार को) भाजपा नेताओं के फोन नंबर दिए हैं, जिनसे वे जरूरत पड़ने पर संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शोहिनी के अनुरोध पर वह आज परिवार के घर गए, जहां अंतिम संस्कार के बाद की रस्में जारी थीं।

उधमपुर में आतंकियों की गोलीबारी में शहीद हुए नदिया के झंटु शेख, परिवार में छाया मातम

बुजुर्ग माता-पिता, पत्नी ओंर दो बच्चों को छोड़ गए वीर जवान

कोलकाता/नदिया : जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में पश्चिम बंगाल के नदिया ज़िले के पथरघाटा निवासी पैराकमांडो झंटु शेख शहीद हो गए। गुरुवार दोपहर जैसे ही यह दुःखद खबर उनके परिवार तक पहुंची, पूरे घर में मातम छा गया।

37 वर्षीय झंटु शेख वर्ष 2008 में भारतीय सेना में शामिल हुए थे। उनके परिवार में बुज़ुर्ग माता-पिता, बड़े भाई-भाभी, पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। करीब डेढ़ साल पहले उन्हें कश्मीर में तैनात किया गया था, और तब से उनकी पत्नी और बच्चे भी वहीं रह रहे थे। आखिरी बार फरवरी में झंटु अपनी पत्नी और बच्चों के साथ गांव आए थे। किसी को यह आभास नहीं था कि वही आखिरी मुलाकात होगी।

झंटु के बड़े भाई, जो खुद भी भारतीय सेना से जुड़े हैं और वर्तमान में कश्मीर में ही तैनात हैं, को सबसे पहले इस दर्दनाक खबर की जानकारी मिली। उन्होंने फोन के माध्यम से यह सूचना अपने परिवार को दी। झंटु की भाभी अनिंदिता शेख की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अभी तक परिवार के बुज़ुर्ग माता-पिता को यह दुखद समाचार नहीं बताया गया है।

हाल ही में पहलगाम में आतंकी हमले में बंगाल के तीन जवान शहीद हुए थे, और अब झंटु शेख की शहादत ने पूरे राज्य को एक बार फिर से शोक में डुबो दिया है।

❑ मुख्यमंत्री का आश्वासन: शहीद के परिवार के साथ खड़ी है राज्य सरकार

झंटु शेख की शहादत की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शहीद के परिजनों से बात की और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार झंटु शेख के परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने संवेदना जताते हुए कहा कि राज्य मंत्रिमंडल के कुछ सदस्य जल्द ही नदिया के पथरघाटा स्थित उनके घर जाकर परिवार से मुलाकात करेंगे और सहायता प्रदान करेंगे।

पहलगाम हमले में जान गंवाने वालों लोगों के लिए अदालतों में दो मिनट का रखा गया मौन

कोलकाता, समाज्ञा : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए गुरुवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय और पश्चिम बंगाल की अन्य सभी अदालतों में दो मिनट का मौन रखा गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह मौन दोपहर 12 बजे से रखा गया। उच्च न्यायालय में मौजूद सभी न्यायाधीश, वकील और कर्मचारी तथा अन्य लोग दिवंगत लोगों के सम्मान में खड़े हुए। अधिकारी ने बताया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय की जलपाईगुड़ी और पोर्ट ब्लेयर पीठों तथा राज्य की सभी जिला व उप-मंडल अदालतों में भी दो मिनट का मौन रखा गया। उन्होंने बताया कि न्यायिक अकादमी और न्यायाधीशों के गेस्टहाउस में भी मौन रखा गया।

पूर्व रेलवे

निविदा सं. एसडीएसटीई-फेल्यर-अलार्म-25-26, दिनांक 23.04.2025; मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, डीआरएम बिल्डिंग, रेलवे स्टेशन के निकट, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं. एसडीएसटीई-फेल्यर-अलार्म-25-26 के तहत एकल पैकेट प्रणाली में खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा बंद होने की तारीख: 19.05.2025 को अपराह्न 03.00 बजे। बोलीदातागण सिर्फ बंद होने की तारीख एवं समय तक अपनी मूल/संशोधित बोलियां जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा ऐसे प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: हावड़ा मंडल के तहत ट्रैक चार्जर फेल्यर अलार्म सिस्टम के प्रावधान के साथ अत्यंत पुराने ट्रैक फीड चार्जर का प्रतिस्थापन। विज्ञापित मूल्य: रु. 8,71,83,097.87; बयाना राशि/बोली सुरक्षा: रु. 5,85,900; निविदा दस्तावेज की कीमत: रु. 0.00; प्रस्ताव की वैधता: 60 दिन। समापन अवधि: 12 महीने। बोली शुरू होने की तारीख: 05.05.2025. (HWH-44/2025-26)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना सं.: ईएल-सीओएन-463ए, दिनांक: 12.04.2025। भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत अभियंता/ रखरखाव/ चिरेका/चितरंजन नीचे सूचीबद्ध निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए भारतीय रेलवे की ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली (www.ireps. gov.in) के माध्यम से ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। ये निविदाएँ कार्य के लिए निर्दिष्ट तिथि को 15.00 बजे तक उल्लिखित वेबसाइट पर अपलोड की जा सकती हैं। निविदाएँ उसी दिन (खुलने की तिथि) 15.00 बजे के तुरंत बाद खोली जाएंगी। **क्रम सं.: [1]। निविदा सं.: ईएल-सीओएन-463ए। कार्य का विवरण:** चिरेका में पावर सप्लाई डिस्ट्रीब्यूशन का सुदृढ़ीकरण। **निविदा बंद होने/खोलने की तिथि: 05.05.2025। अनुमानित मूल्य (रुपये): ₹4,58,26,118.70। बयाना राशि/ बोली प्रतिभूति (रुपये):** ₹3,79,100/-। **समापन अवधि:** 12 माह। **निविदा की वैधता:** 60 दिन। **निविदा कागजात का मूल्य:** आईआरईपीएस पोर्टल से डाउनलोड करने के लिए शून्य और उप सीईई/एम से प्राप्त करने के लिए ₹10,000.00। **टिप्पणी:** 1.बोलीदाता को आईआरईपीएस पोर्टल पर सभी आवश्यक योग्यता कागजातों और पैन/जीएसटीआईएन की स्कैन की गई प्रतियों को अपलोड करना होगा। 2. ई-निविदा में भाग लेने के लिए बोलीदाता के पास क्लास-III डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डीएससी) होना चाहिए। 3.यह कार्य विनियमों के अनुसार जीएसटी, बीओसीडब्ल्यूडब्ल्यू (बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर), आयकर और अन्य वैधानिक करों सहित लागू करों के अधीन होगा। 4.नीचे दिए गए कार्य के लिए लागू समप्रकृति के कार्य की परिभाषा: **"एचटी/एलटी केबल बिछाने एवं संबंधित कार्यों की आपूर्ति, बिछाया जाना, आरंभ करना और परीक्षण" या "मौजूदा एचटी/एलटी अंडरग्राउंड नेटवर्क सिस्टम में रूपांतरण"**। 5. निविदा कागजात और निविदा सूचना की विस्तृत जानकारी के लिए, रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

PR3/011 उप सीईई (एम)/चिरेका/चित्तरंजन

हमें: www.facebook.com/clwrailways पर लाइक करें

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त निविदा सूचना जीईएम बोली सं.: जीईएम/2025/बी/6158688, दिनांक 22.04.2025; उप मुख्य विद्युत अभियंता/ लोको, पूर्व रेलवे वर्कशॉप, कांचरापाड़ा, उत्तर 24 परगना, डाकघर-कांचरापाड़ा, पिन-743145 (पबं) द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के लिए जीईएम पोर्टल के जरिए ई-निविदा हेतु निविदा सूचना आमंत्रित की जाती हैं। **विवरण:** कैलिब्रेशन सेवा-लोको कॉमप्लेक्स में इलेक्ट्रिकल डीआरजी. कार्यालय तथा शॉप सं. 9, 9ए, 10, 11, 11ए, 14, 34/केपीए के उपकरणों, यंत्रों तथा गेजों की 2 वर्षों की अवधि के लिए (एक वर्ष में एक वार के आधार पर) कैलिब्रेशन। **निविदा मूल्य:** जीएसटी सहित रु. 7,24,473; **अनुबंध अवधि:** 2 वर्ष। **निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** 07.05.2025 को अपराह्न 03.30 बजे। निविदा दस्तावेज एवं अन्य विवरण वेबसाइट: जीईएम पोर्टल से प्राप्त किए जा सकते हैं। निविदा के लिए बोली ऊपरोक्त वेबसाइट पर जीईएम पोर्टल के जरिए ई-निविदा के रूप में जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है तथा प्राप्त किसी भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। (MISC-27/2025-26)

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दिल्ली हाई कोर्ट का तृणमूल सांसद गोखले की सैलरी जब्त करने का आदेश

नई दिल्ली/कोलकाता : दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले की सैलरी जब्त करने का आदेश दिया है। मामला यह है कि पूर्व में जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा ने साकेत गोखले को संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव लक्ष्मी पुरी से माफी मांगने और 50 लाख रुपये हर्जाना देने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा कि तृणमूल सांसद ने आदेश के बावजूद ने जुर्माना राशि जमा नहीं की और न ही कोई उचित स्पष्टीकरण दिया। इस दिन, दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 60(1) के तहत गोखले की सैलरी, जो 1.90 लाख रुपये बताई गयी है, को जब्त करने का वारंट जारी किया जाये। आदेशानुसार सैलरी तब तक जब्त होती रहेगी, जब तक 50 लाख रुपये कोर्ट में जमा नहीं हो जाते। यह आदेश पुरी की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया, जिसमें उन्होंने अपने पक्ष में डिक्री की मांग की थी। हालांकि, साकेत गोखले ने अपनी एक याचिका में अपने खिलाफ फैसले को वापस लेने की मांग की थी, जो एक अन्य बेंच के समक्ष लंबित है। लेकिन कोर्ट ने कहा कि वर्तमान कार्यवाही पर कोई स्टे नहीं है। उल्लेखनीय है कि पूर्व राजनयिक लक्ष्मी पुरी ने 2021 में हाई कोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि गोखले ने उनके वित्तीय मामलों और जिनेवा में उनके स्वामित्व वाले अपार्टमेंट के संदर्भ में झूठे आरोप लगाकर उनकी प्रतिष्ठा और सद्भावना को ठेस पहुंचाई।

जोड़ासांको में शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद में युवक की हत्या, एक दोस्त गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर कोलकाता के जोड़ासांको थाना क्षेत्र में शराब पार्टी खूनी पार्टी में बदल गई और इस दौरान एक युवक ने अपने कथित दोस्त की हत्या बर्बर तरीके से कर दी। मृतक की पहचान फैजल फरहिम के रूप में की गई है। उक्त वारदात में पुलिस ने मो. नावेद (24) नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस व स्थानीय लोगों ने उक्त घटना की गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि फैजल फरहिम बुधवार की देर रात अपने दोस्तों के साथ मदनमोहन बर्मन स्ट्रीट में शराब पार्टी कर रहा था। तभी, एक शराब पार्टी के दौरान मामूली कहासुनी ने खौफनाक रूप ले लिया। झगड़े के दौरान एक युवक ने अपने ही दोस्त की गर्दन में टूटी हुई कांच की बोतल घोंप दी। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फहिम के साथ झगड़ा बढ़ने पर उसके एक दोस्त ने पास में रखी कांच की बोतल को तोड़ा और गुस्से में उसे फैजल की गर्दन में घोंप दिया। घटना रात करीब 2:15 बजे की बताई जा रही है। वारदात के बाद आरोपित युवक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने घायल फैजल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की मां ने जोड़ासांको थाने में हत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना के वक्त मौके पर और कौन-कौन मौजूद था। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले भी जोड़ासांको क्षेत्र से इसी तरह की एक हत्या की खबर सामने आई थी, जहां 20 अप्रैल को एक युवक का शव अचेत अवस्था में बरामद हुआ था। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। बाद में, उसकी भी मौत हो गई थी और उस मामले में भी दोस्त पर हत्या का आरोप लगा था। बहरहाल, पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मुर्शिदाबाद हिंसा मामले में पांच और गिरफ्तार, अब तक कुल 307 गिरफ़्तारियां

मुर्शिदाबाद/कोलकाता : मुर्शिदाबाद ज़िले में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के सिलसिले में राज्य पुलिस ने बुधवार को पांच और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक कुल 307 लोगों की गिरफ़्तारी हो चुकी है। यह जानकारी विशेष जांच दल (एसआईटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को दी। एसआईटी अधिकारी ने बताया कि जिन पांच लोगों को गिरफ़्तार किया गया है, वे सीधे तौर पर दंगे में शामिल थे। इन्हें ज़िले के अलग-अलग इलाकों से बुधवार को पकड़ा गया। अधिकारी ने कहा कि इन सभी का हिंसा में सीधा हाथ था। हमने इन्हें बुधवार को गिरफ़्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान अब विशेष प्रयास ओडिशा पुलिस की हिरासत में मौजूद मुख्य आरोपित जियाउल शेख के छोटे बेटे को वापस लाने की दिशा में किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 11 और 12 अप्रैल को मुर्शिदाबाद ज़िले के शमशेरगंज, सूती, धूलियन और जंगीपुर इलाकों में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध में हुए प्रदर्शनों के दौरान सांप्रदायिक झड़पें हुई थीं। इन झड़पों में तीन लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद राज्य सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल का गठन किया था, जो अब तक सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर चुका है। पुलिस द्वारा की जा रही लगातार कार्रवाई के बावजूद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई है, हालांकि प्रशासन का दावा है कि हालात नियंत्रण में हैं।

नीचे उल्लेखित चार ट्रेनों की कुछ स्टेशनों पर समय-सूची में संशोधन

नीचे उल्लेखित चार ट्रेनों की उसके समक्ष उल्लेखित स्टेशनों पर समय-सूची में निम्नानुसार **संशोधन** किए जाएंगे:

ट्रेन सं. एवं नाम	स्टेशन	संशोधित समय-सूची आगमन	संशोधित समय-सूची प्रस्थान
13185 सियालदह-जयनगर गंगासागर एक्सप्रेस [दिनांक 26.04.2025 (जेसीओ) से]	दरभंगा	06.37	06.52
15233 कोलकाता-दरभंगा मैथली एक्सप्रेस [दिनांक 28.04.2025 (जेसीओ) से]	बरौनी	20.30	20.40
	समस्तीपुर	22.00	22.05
	दरभंगा	23.30	-
15235 कोलकाता-दरभंगा एक्सप्रेस [दिनांक 26.04.2025 (जेसीओ) से]	बरौनी	20.30	20.40
	समस्तीपुर	22.00	22.05
	दरभंगा	23.30	-
15271 हावड़ा-मुजफ्फरपुर जनसाधारण एक्सप्रेस [दिनांक 30.04.2025 (जेसीओ) से]	बरौनी	20.30	20.40
	समस्तीपुर	21.40	21.45
	मुजफ्फरपुर	23.10	-

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

हावड़ा मंडल पर पुल रखरखाव कार्य के लिए ट्रेनों का नियंत्रण व्यवस्था

पुल संख्या 9 (किमी 40/38-41/2), पुल संख्या 12 (किमी 38/40-42) और पुल संख्या 1 (किमी 44/34-36) के सुदृढ़ीकरण कार्य के लिए, **26/27.04.2025 (शनिवार/ रविवार)** की मध्य रात्रि को हावड़ा मंडल के नलहाटी-अजीमगंज शाखा में तकीपुर और नलहाटी स्टेशनों के बीच अप और डाउन दोनों लाइनों पर एक साथ **10 घंटे 50 मिनट का ट्रैफिक और पावर ब्लॉक** की आवश्यकता होगी। फलस्वरूप, निम्नलिखित ट्रेनें निम्नानुसार नियंत्रित की जाएंगी:

- **26/27.04.2025 (शनिवार/ रविवार) को मेमू/पैसेंजर को रद्द रहेगी:** (1) 63033 अजीमगंज-नलहाटी मेमू/पैसेंजर (जेसीओ: 26.04.2025), (2) 63034 नलहटी-अजीमगंज मेमू/पैसेंजर (जेसीओ: 27.04.2025)।
- **26.04.2025 (शनिवार) को मेल/एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन :** 13027 हावड़ा-अजीमगंज कविगुरु एक्सप्रेस को अम्बिका कालना, नबद्वीप धाम, कटवा, सालार, बाजारसौ और खागड़ाघाट रोड स्टेशनों पर रुकते हुए बैण्डेल-कटवा-अजीमगंज का मार्ग परिवर्तित किया जाएगा। **विशेष टिप्पणी:** ब्लॉक की अवधि के दौरान स्पेशल अथवा विलम्ब से चलने वाली ट्रेनें एवं बाद में चलाई जाने वाली नई ट्रेनें/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, मार्ग में आवश्यकतानुसार नियंत्रित की जाएंगी/परिवर्तित मार्ग पर चलाई जाएंगी। यात्रियों से स्टेशनों की सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली का अनुसरण करने का अनुरोध किया जाता है। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक/हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

पाकिस्तान सेना के हाथों में फंसे बीएसएफ जवान बेटे की रिहाई की परिवार ने लगाई गुहार

हुगली, समाज्ञा : हुगली जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान का परिवार गुरुवार को उसकी सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जिसे पंजाब में गलती से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने के कारण पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में ले लिया था। सूत्रों ने कहा कि हुगली के रिषड़ा के हरिसभा इलाके के रहने वाले पी के साहू (40) घर से छुट्टी बिताने के बाद 31 मार्च को ड्यूटी पर लौटे थे। साहू के परिवार के सदस्यों के अनुसार, वह बीएसएफ में 17 साल से हैं और अपने माता-पिता, पत्नी और सात साल के बेटे के साथ रहते हैं। इस घटना से परिवार गहरे सदमे में है। खबर मिलने के बाद से उनकी पत्नी रजनी साहू बेसुध हैं। रजनी ने कहा कि उनके एक सहकर्मी ने हमें फोन करके बताया कि उन्हें ड्यूटी के दौरान पकड़ लिया गया है। मैंने उनसे आखिरी बार मंगलवार रात को बात की थी। वह 17 साल से बीएसएफ में हैं। मैं बस यही चाहती हूं कि वह जल्द ही घर लौट आएं। साहू के भाई श्यामसुंदर साहू ने केंद्र सरकार और बीएसएफ अधिकारियों से तुरंत हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। जैसे ही खबर फैली, पड़ोसी और शुभचिंतक रिशरा में साहू के घर के बाहर जमा हो गए। आगंतुकों से घिरे परिवार के लोग अच्छी खबर की उम्मीद में टीवी पर टकटकी लगाकर समाचार देखते नजर आए।

मानिकतला के हाडको फुटब्रिज पर युवक का झूलता शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : मानिकतला थाना क्षेत्र अंतर्गत हाडको फुट ओवरब्रिज पर गुरुवार की सुबह एक युवक का झूलता हुआ शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले शव को देखा और तत्काल पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए आरजीकर अस्पताल भेज दिया। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में हलचल मच गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक की पहचान संजय मित्रा (35) के रूप में हुई है, जो उल्टाडांगा इलाके का निवासी था। पुलिस ने संजय के परिजनों से संपर्क कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह मामला आत्महत्या का है या किसी ने हत्या कर शव को लटकाया है। इसकी जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों को लेकर तस्वीर साफ हो सकेगी। फिलहाल, आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है ताकि घटना से जुड़ी कोई ठोस जानकारी मिल सके।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए मनीष रंजन को श्रद्धांजलि देने के लिए उमड़ी हजारों की भीड़

शहीद आईबी अधिकारी की याद में 12 घंटे की रही हड़ताल

✒ केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए

पुरुलिया : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी मनीष रंजन के सम्मान में पुरुलिया जिले के झालदा कस्बे में गुरुवार को हजारों लोगों ने एक विशाल तिरंगा लेकर मार्च निकाला। वहीं, इस दिन, शहीद इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारी मनीष रमन मिश्रा की याद में झालदा में 12 घंटे की हड़ताल रही है। सुबह 6 बजे से शुरू हुई हड़ताल का आह्वान दो संगठनों – झालदा नागरिक मंच (झालदा नागरिक मंच) और झालदा क्रिकेट एसोसिएशन ने किया था। झालदा के निवासी मिश्रा की याद में शांतिपूर्ण और सहज रूप से हड़ताल किए। दुकानें और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी सुबह से बंद रहे। इस दिन, सुबह में झारखंड के रांची हवाई अड्डे से रंजन के पार्थिव शरीर को उनके आवास पर लाया गया और फिर लगभग 50 किलोमीटर दूर झालदा ले जाया गया। झालदा में 3,000 से अधिक शोक संतप्त लोग 'अमर रहे' के नारे लगाते हुए रंजन की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार और सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो भी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। मजूमदार व महतो ने पुष्पांजलि अर्पित की और रंजन के शोकाकुल माता-पिता को सांत्वना दी। रंजन के पिता एमके मिश्रा सेवानिवृत्त स्कूल शिक्षक हैं और उनकी मां इस दुखद समाचार मिलने के बाद से बिस्तर पर हैं। मजूमदार ने कहा कि हिंदू समुदाय के निहत्थे, निर्दोष पर्यटकों पर इस तरह के जघन्य हमलों में शामिल लोगों की पहचान की जाएगी और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। उन्हें (आतंकियों को) उकसाने वालों की भी पहचान की जाएगी और उन्हें उचित सजा दी जाएगी। इस दौरान भीड़ ने न्याय और त्वरित कार्रवाई की मांग दोहराई।

www.samagya.in
विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL · EDUCATION · OBITUARY
PROPERTY · NAME CHANGE · REMEMBRANCE
RECRUITMENT · PUBLIC NOTICE · DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

दिघा में जगन्नाथ मंदिर उद्घाटन को लेकर सख्त सुरक्षा व्यवस्था, 14 स्नान घाटों पर नजर रखेगी एनडीआरएफ की एक कंपनी

पूर्व मेदिनीपुर : दिघा में जगन्नाथ मंदिर के भव्य उद्घाटन समारोह को देखते हुए प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सख्त सुरक्षा व्यवस्था की है। रिकॉर्ड भीड़ को ध्यान में रखते हुए पूर्व मेदिनीपुर जिला प्रशासन ने ओल्ड और न्यू दिघा के कुल 14 स्नानघाटों पर कड़ी निगरानी का निर्णय लिया है।

प्रशासन ने पुराने जगन्नाथ मंदिर (अब नया मासी का घर) के पास एक नया स्नानघाट तैयार किया है। सभी घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एनडीआरएफ की एक कंपनी 26 अप्रैल से तैनात रहेगी, जो 30 अप्रैल को उद्घाटन समारोह समाप्त होने तक दिघा में मौजूद रहेगी।

हर घाट पर तीन नुलिया (जीवन रक्षक), सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स और पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रमुख सचिव राजेश सिंह ने पहले ही घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा तैयारियों का जायजा लिया है। 30 अप्रैल को सुरक्षा व्यवस्था कैसी होगी, इसे लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक भी की जा चुकी है।

इसके अलावा बिजली विभाग के मंत्री अरूप बिश्वास ने भी दिघा जाकर तैयारियों का निरीक्षण किया। समुद्र में सात स्पीडबोट से लगातार निगरानी की जाएगी, और सभी घाटों पर एनडीआरएफ की तैनाती रहेगी।

उधर, मंदिर उद्घाटन से पहले पूरा दिघा शहर नीले-सफेद रंग में रंग दिया गया है। दिघा वेलकम गेट से लेकर उदयपुर तक के डिवाइडर, गार्डवॉल, और बिजली के खंभे तक इस रंग से सजे हैं। पुराने जगन्नाथ मंदिर को मासी का घर के रूप में सजाया गया है, और माईती घाट को भी नए रूप में संवारा गया है। 30 अप्रैल को कई गणमान्य लोग समुद्र में स्नान कर मंदिर में पूजा के लिए जाएंगे, इसलिए उनके लिए विशेष सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। आम श्रद्धालुओं पर भी विशेष नजर रखी जाएगी, और सादा वर्दी पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे।

जिला प्रशासन ने एनडीआरएफ की तैनाती के लिए पहले ही नबन्ना को रिक्विजिशन भेज दिया है। साथ ही, 30 अप्रैल को दिघा-नंदकुमार 116बी राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ने की आशंका है। प्रशासन इसके लिए भी तैयारियों में जुटा हुआ है।

एम.जी. रोड पर युवक की हत्या का खुलासा, सीसीटीवी फुटेज से आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हुई मौत, हत्या का मामला दर्ज

कोलकाता : गत 20 अप्रैल को सुबह लगभग 07:05 बजे, कोलकाता के एम.जी. रोड स्थित 105 नंबर मकान के सामने फुटपाथ पर एक अज्ञात पुरुष (लगभग 40 वर्ष आयु) को अचेत अवस्था में सिर पर गंभीर चोट के साथ पाया गया। मौके पर मौजूद जोरासांको थाने के ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी ने तत्काल उसे कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया। उसी दिन शाम 6 बजे के करीब उस व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो गई।

इस संबंध में जोरासांको थाने में यू.डी. केस नंबर 06 दिनांक 21.04.2025 के तहत मामला दर्ज किया गया। शव का पंचनामा और पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिसमें यह

खुलासा हुआ कि मृत्यु का कारण पूर्वघात सिर पर लगी चोटें थीं, जो कि हत्या की श्रेणी में आती हैं।

जांच के दौरान कमरहाटी थाना क्षेत्र के फारी बगान की निवासी जुमरतन बीबी, पत्नी सलुद्दीन से संपर्क किया गया। जब उन्हें मृतक की तस्वीर दिखाई गई तो उन्होंने उसे अपने पुत्र मोहम्मद नसीम (30 वर्ष) के रूप में पहचान लिया। बाद में वे पुलिस शवगृह पहुंचीं और वहीं पर उन्होंने शव की पुष्टि की।

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर जोरासांको थाने में एक विशेष मामला संख्या 89 दिनांक 23.04.2025 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1)/3(5) बीएनएस के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया।

तत्पश्चात पुलिस द्वारा जुटाए गए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर इस मामले में 116/क/3 एम.जी. रोड, कोलकाता निवासी शहनवाज इस्लाम (24 वर्ष), पिता मोहम्मद इस्लाम को गिरफ्तार किया गया है।

फिलहाल, इस हत्या के पीछे की वजह और इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश के लिए जांच जारी है।

कृष्णनगर में शवदाह से लौटते समय हादसे में दो की मौत, 35 घायल

नदिया : नदिया जिले के कृष्णनगर के कोतवाली थाना क्षेत्र के दे पाड़ा इलाके में बुधवार रात को एक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, 35 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना उस समय हुई जब परिवार के सदस्य एक शव को दाह संस्कार के बाद लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, हांसखाली के हल्दी पाड़ा के निवासी शांतिराम मंडल (65) का निधन हुआ था। उनका शव लेकर परिवार के सदस्य नवद्वीप शमशान घाट से लौट रहे थे। रात लगभग 1:00 बजे के आसपास दे पाड़ा इलाके में शववाहन का नियंत्रण खो जाने के कारण वह एक पेड़ से टकराकर सड़क के किनारे पलट गया। इस हादसे में शांतिराम मंडल की बहू पुतुल मंडल (32) और उनकी सास काजल विश्वास (40) की मौत हो गई। इसके अलावा, वाहन में सवार 29 अन्य लोग घायल हो गए।

विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी ने लॉन्च किया भारत का पहला विस्तृत आपराधिक कानून डाटाबेस

कोलकाता : विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी ने नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आपराधिक कानून से जुड़ा भारत का पहला विस्तृत डाटाबेस- द स्टेट ऑफ द सिस्टम (एस.ओ.एस.) लॉन्च किया है। अनविलिंग द स्टेट ऑफ द सिस्टम नाम के इस कार्यक्रम में कानून से जुड़े जाने-माने विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और विशेषज्ञ शामिल हुए।

सबने मिलकर भारत के कानूनों में अपराधों को कम करने और सज़ाओं को तार्किक बनाने की तत्काल जरूरत पर महत्वपूर्ण चर्चा की।

एस.ओ.एस. डाटाबेस अब crimeandpunishment.in पर लाइव है। इस रिपोर्ट में पिछले 174 सालों में बनाए गए 370 केंद्रीय कानूनों के तहत हर अपराध और चूक को दर्ज किया गया है, जो 45 अलग-अलग विषयों को कवर करते हैं।

रिपोर्ट के बारे में जानकारी देते हुए विधि में क्राइम एंड पनिशमेंट सेक्शन के प्रमुख, नवीद महमूद अहमद ने कहा, आपराधिक कानून का उद्देश्य जनता की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है, लेकिन आज भारत के सामाजिक और प्रशासनिक प्रारूप तक इसकी पहुँच बढ़ चुकी है।

यह रिपोर्ट और डाटाबेस यह समझने की कोशिश करते हैं कि हम शासन के उपकरण के रूप में आपराधिक कानून पर किस हद तक निर्भर हैं।

बर्दवान विश्वविद्यालय की पीएचडी मेरिट लिस्ट में छात्रों के धर्म का उल्लेख! उठे विवाद के स्वर

बर्दवान : बर्दवान विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश की प्रारंभिक मेरिट लिस्ट में छात्रों के नाम के साथ उनके धर्म का उल्लेख किए जाने से विवाद खड़ा हो गया है।

बुधवार को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर यह सूची प्रकाशित की गई, जिसमें देखा गया कि मेरिट लिस्ट में चयनित छात्रों के नाम के पास उनके धर्म की जानकारी दी गई है। इसी सूची के आधार पर इंटरव्यू के ज़रिए अंतिम चयन प्रक्रिया होनी है।

गौरतलब है कि इससे पहले कभी भी ऐसी मेरिट लिस्ट में धर्म का उल्लेख नहीं किया गया था। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन ने इसे साधारण त्रुटि करार दिया है।

इस बारे में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. शंकरकुमार नाथ ने मीडिया को बताया कि किसी भी फॉर्म को भरते समय धर्म का उल्लेख करना होता है। आवेदन के समय छात्रों ने भी धर्म की जानकारी दी थी।

वेबसाइट पर सूची प्रकाशित करते समय वह जानकारी गलती से छोड़ दी गई। किसी धर्म को लक्षित करने का कोई उद्देश्य नहीं था, और इस मामले को अनावश्यक रूप से तूल दिया जा रहा है।

कुलपति ने यह भी बताया कि जैसे ही यह मामला सामने आया, वेबसाइट से सूची को हटा लिया गया।

हालांकि, विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों को आशंका है कि इस सूची के पीछे कोई साज़िश भी हो सकती है।

नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि विश्वविद्यालय का यह कार्य आमतौर पर किसी ठेका एजेंसी के माध्यम से कराया जाता है और संभवतः उनकी गलती के कारण ऐसा हुआ है।

सामान्यतः मेरिट लिस्ट में उम्मीदवार का नाम, जाति और लिंग का उल्लेख होता है, धर्म का नहीं। लेकिन इस बार धर्म का उल्लेख किया गया, जिससे किसी खास उद्देश्य की आशंका भी जताई जा रही है।

जो भी हो, यह मामला अब विवाद का विषय बन चुका है और इससे जुड़े कई सवाल उठ खड़े हुए हैं।

रात के समय सॉल्टलेक में अपराधियों का आतंक, एनआरआई के घर में डकैती

कोलकाता, समाज्ञा : सॉल्टलेक के जीसी ब्लॉक में रात के समय एक और डकैती की घटना सामने आई है, जिससे इलाके में दहशत फैल गई है। अपराधियों ने एक एनआरआई के घर में घुसकर ताला तोड़कर साहसिक चोरी को अंजाम दिया। घर के निचले तल्ले में स्थित कार्यालय का ताला तोड़कर अलमारी को खोला गया और नकदी लूटी गई। हालांकि, चोरी गई नकदी की मात्रा अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है। घटना करीब रात 1:30 से 2 बजे के बीच हुई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घर के मालिक अमेरिका में रहते हैं और घर के निचले तल्ले में एक कार्यालय भी है। वहीं, घर के निचले तल्ले में केयर टेकर का परिवार रहता है, लेकिन वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति को घर में प्रवेश करते हुए नहीं

देख पाए। सूत्रों के अनुसार, अपराधी मुख्य गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे और कार्यालय से नकदी और कुछ मूल्यवान दस्तावेज चोरी कर ले गए।

घटना की सूचना मिलते ही, विधाननगर दक्षिण थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घर के चारों ओर कई सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जिनके फुटेज की मदद से पुलिस अपराधियों का पता लगाने में जुटी है।

भारतीय रेलवे ने जम्मू-कश्मीर में फंसे पर्यटकों के लिए तात्कालिक निकासी की व्यवस्था की

कोलकाता, समाज्ञा : जम्मू-कश्मीर में फंसे पर्यटकों के लिए भारतीय रेलवे ने एक तात्कालिक और प्रभावी योजना लागू की है। जिससे उन्हें कटरा और उधमपुर स्टेशनों से सुरक्षित निकासी का रास्ता मिल रहा है। भारतीय रेलवे ने कटरा और जम्मू स्टेशनों पर हेल्पडेस्क की व्यवस्था की है और जम्मू नियंत्रण कक्ष में भीड़ प्रबंधन के लिए एक विशेष कक्ष स्थापित किया है। यहां सीसीटीवी फीड की मदद से दोनों स्टेशनों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। साथ ही समर्पित हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए गए हैं, ताकि यात्रियों को तत्काल सहायता मिल सके।

हेल्पडेस्क स्टाफ ने जम्मू और कटरा स्टेशनों पर कुल 235 पर्यटकों को विभिन्न ट्रेनों में समायोजित किया। इन यात्रियों को सही समय पर राहत प्रदान की गई, ताकि वे अपनी यात्रा जारी रख सकें। इसके साथ ही, कम समय में विशेष ट्रेन संख्या 04612 का संचालन किया गया, जो श्री माता वैष्णो देवी कटरा (एसवीडीके) से नई दिल्ली (छऊ्ड्ड) के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन एसवीडीके से रात 21:20 बजे और जम्मू से 23:27 बजे रवाना हुई, जिसमें लगभग 67% यात्री क्षमता थी, जिसमें 580 आरक्षित यात्री और 180 अनारक्षित यात्री थे। आईआरसीटीसी, आरपीएफ और जीआरपी के साथ मिलकर कटरा, एमसीटीएम और जम्मू स्टेशनों पर पर्यटकों के लिए भोजन और पानी की व्यवस्था की गई, ताकि उनकी यात्रा में कोई परेशानी न हो। इसके अलावा, विशेष ट्रेन संख्या 04614 की घोषणा की गई है, जो 24 अप्रैल 2025 को श्री माता वैष्णो देवी कटरा से 13:30 बजे रवाना होगी, ताकि और पर्यटकों को सुरक्षित रूप से अपने गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।

आतंकी घटना के खिलाफ खिदिरपुर में रैली

कोलकाता : पोर्ट अचंल के खिदिरपुर में फ्रेंडशिप पीपल ट्रस्ट के नेतृत्व में पहलगाम आतंकी घटना के खिलाफ एक कैंडल रैली निकाली गई। मोमिनपुर से शुरू हुई ये शांति रैली, खिदिरपुर मोड़ पर आ कर रुकी, जहां लोगों ने मोमबत्तियां जलाकर आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि दी। रैली में युवा, महिलाएं और वरिष्ठ नागरिक भी शामिल हुए। खिदिरपुर में फ्रेंडशिप पीपल ट्रस्ट के संस्थापक व सामाजिक कार्यकर्ता वसीम अख्तर ने कहा कि यह हमला देश पर हमला है और अब मृतकों के परिजनों को न्याय मिले। इस दौरान दया राम भी मौजूद रही।

स्लिम आउटसाइड, पावर इनसाइड; वीवो ने लॉन्च किया टी4 5जी भारत की सबसे बड़ी 7300एमएएच बैटरी के साथ

कोलकाता : वीवो, जो इनोवेटिव ग्लोबल स्मार्टफ़ोन ब्रांड है, उसने अपनी टी-सीरीज़ का नया स्मार्टफ़ोन पेश किया है - वीवो टी4 5जी।यह फ़ोन भारत की अब तक की सबसे बड़ी 7300एमएएच हाई-डेंसिटी बैटरीऑ और 90डब्ल्यू फ़्लैशचार्ज के साथ आता है, जो दमदार बैटरी परफॉर्मेंस को एक पतले और स्टाइलिश डिज़ाइन में पेश करता है। स्नैपड्रैगन 7स जन 3 प्रोसेसर से लैस, वीवो टी4 5जी स्मूद मल्टीटास्किंग का अनुभव देता है और 820के+ ऐनटूटू स्कोर हासिल कर अपने सेगमेंट का सबसे तेज़ स्मार्टफ़ोन बनता है। इसमें सेगमेंट का सबसे ब्राइट क्वॉड-कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले है, जिसकी स्थानीय पीक ब्राइटनेस 5000 निट्सु तक जाती है। ऑनलाइन बिज़नेस, वीवो इंडिया के हेड पंकज गांधी ने लॉन्च के बारे में बताते हुए कहा कि: हम वीवो टी4 5जी को पेश करते हुए बेहद उत्साहित हैं - यह हमारी सीरीज़ टी पोर्टफोलियो में एक और दमदार जोड़ है। भारत के युवाओं की ऊर्जा और महत्वाकांक्षाओं को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया टी4, हाई-एंड परफॉर्मेंस, लंबे समय तक चलने वाली बैटरी, स्टाइलिश डिज़ाइन और स्मार्ट एआई फ़ीचर्स को एक बेहतरीन पैकेज में लेकर आता है।

कोटा फैक्ट्री के रीयल जीतू भैया -एनवी सर के छात्रों ने जेईई मैन्स में किया कमाल

कोलकाता : शैक्षणिक उत्कृष्टता के एक उल्लेखनीय प्रदर्शन में, कोटा के असली जीतू भैया - एनवी सर (नितिन विजय) के नेतृत्व में मोशन एजुकेशन ने एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में नए मानक स्थापित किए हैं। जेईई मेन 2025 के अब तक के परिणामों के आधार पर, मोशन एजुकेशन के 65.8 प्रतिशत छात्रों ने जेईई एडवांस्ड के लिए क्वालिफाई किया है, जो राष्ट्रीय औसत 16.25 प्रतिशत से काफी आगे है। मोशन ने साबित कर दिया है कि सामान्य छात्र भी सही मार्गदर्शन और संसाधनों के साथ भारत की सबसे कठिन परीक्षाओं जैसे आईआईटी-जेईई या नीट में सफलता पा सकता है। 'इस अवसर पर मोशन एजुकेशन के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नितिन विजय ने कहाः 'ऐसा कहा जाता है कि सफल होने के लिए टॉपर होना जरूरी नहीं, बल्कि सीखने की ललक, अनुशासन और हिम्मत होना चाहिए। हम मानते हैं कि हर छात्र में उज्ज्वल भविष्य की संभावना होती है। हम अपने छात्रों और शिक्षकों के इस अद्भुत प्रदर्शन पर गर्व महसूस कर रहे हैं।'

स्विगी पेश करता है 'स्विगी सिक्स', हर सिक्स पर बड़ी बचत

कोलकाता, समाज्ञा : स्विगी ने इस क्रिकेट सीजन में 'स्विगी सिक्स' लॉन्च किया है। यह एक रीयल-टाइम, मैच-लिंक्ड ऑफर है जो क्रिकेट मैचों के दौरान हर सिक्स पर उपयोगकर्ताओं को शानदार डिस्काउंट प्रदान करता है। अब उपयोगकर्ता स्विगी पर 50,000 से अधिक रेस्टोरेंट से ऑर्डर करते समय 66%, 266, 166 या 66 की छूट का लाभ उठा सकते हैं, जो लाइव मैच के दौरान सिक्स लगने पर उपलब्ध होगी। ऑफर का लाभ उठाने के लिए, उपयोगकर्ताओं को सिक्स लगने के 10 मिनट के अंदर ऑर्डर देना होगा। स्विगी ऐप पर 'एक सिक्स लगा है। ऑफर अनलॉक हुआ' जैसे अलर्ट के साथ रियल-टाइम टाइमर दिखाई देगा। स्विगी फूड मार्केटप्लेस के सीबीओ, सिद्धार्थ भाकू ने कहा, स्विगी सिक्स के साथ, हम क्रिकेट और भोजन के संयोजन से मैच के अनुभव को और भी रोमांचक बना रहे हैं।

आसनसोल में सीआईएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या, इलाके में तनाव

आसनसोल : पश्चिम बर्धमान जिले के सालानपुर इलाके में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान की संदेहास्पद हालात में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सुनील कुमार पासवान के रूप में हुई है, जो झारखंड के मिहिजाम इलाके के निवासी थे और वर्तमान में बोकारो में पदस्थ थे। वह छुट्टी पर थे और सालानपुर स्थित अपनी जमीन पर चल रहे निर्माण कार्य का जायजा लेने आए थे। बुधवार की देर रात पासवान का शव उसी ज़मीन पर मिला, जहां निर्माण कार्य हो रहा था। पुलिस को मौके से कई शराब की बोतलें और गिलास बरामद हुए हैं। शुरुआती जांच में पुलिस को आशंका है कि कुछ लोग, जिनमें मृतक भी शामिल थे, उस स्थान पर शराब पी रहे थे। इसी दौरान किसी बात पर विवाद हुआ और गोलीबारी में पासवान की जान चली गई। मृतक

के स्थानीय मित्र पंकज शर्मा ने बताया कि पासवान छुट्टी पर थे और ज़मीन पर निर्माण कार्य की निगरानी के लिए आए थे। वहीं, मृतक के छोटे भाई अजीत पासवान ने बताया कि उन्हें जैसे ही भाई को गोली मारे जाने की सूचना मिली, वह तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि जब मैं वहां पहुंचा तो भाई का शव खून से लथपथ पड़ा था। वह जल्द ही ड्यूटी पर वापस लौटने वाले थे। फिलहाल पुलिस हत्यारों की पहचान नहीं कर पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों की तलाश जारी है।

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह पर संगोष्ठी का आयोजन

❑ रेलवे विरासत संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम सम्पन्न

कोलकाता : दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा अपने मुख्यालय गार्डनरीच में 18 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक विश्व धरोहर सप्ताह मनाया जा रहा है। प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के प्रति जागरूकता फैलाना और प्राचीन धरोहरों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करना होता है। इस वर्ष का थीम था - आपदा और संघर्ष सहनशील धरोहर - संरक्षण हेतु कार्यवाही।

इस कड़ी में 24 अप्रैल को गार्डनरीच स्थित दपूरे मुख्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एजीएम एवं क्षेत्रीय धरोहर समिति के अध्यक्ष सुमित्र मजूमदार ने अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी में रेलवे विरासत से जुड़े विविध पहलुओं पर

वक्ताओं ने अपने विचार साझा किए।

पूर्व रेलवे बोर्ड सदस्य (वित्त) एवं रेल उत्साही संगठन के पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों के प्रमुख संजय मुखर्जी ने रेलवे धरोहर का महत्व विषय पर व्याख्यान दिया। नवाब वाजिद अली शाह के वंशज शाहनशाह मिर्जा ने बंगाल पर अवध के प्रभाव विषय पर बात की। इसके बाद इनटैक के सलाहकार जी.एम. कपूर ने औद्योगिक धरोहर और दक्षिण पूर्व रेलवे के पूर्व पीसीओएम जी.के. मोहंती ने दपूरे की मालवाहन धरोहर पर अपने विचार रखे।

वक्ताओं ने अपने संबोधन में भारतीय रेलवे द्वारा अपनी गौरवशाली विरासत के संरक्षण हेतु किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम का समापन एक पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें श्री सुमित्र मजूमदार ने धरोहर सप्ताह के दौरान आयोजित फोटोग्राफी, चित्रांकन एवं क्विज प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

पूर्व रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक के रूप में दीपक निगम ने कार्यभार संभाला

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक और मुख्य सतर्कता अधिकारी का कार्यभार गुरुवार को दीपक निगम को सौंप दिया गया है। दीपक निगम भारतीय रेलवे सेवा के 1991 बैच के अधिकारी हैं और भारतीय रेलवे में तीन दशकों से अधिक का समृद्ध अनुभव रखते हैं। श्री निगम ने भारतीय रेलवे के विभिन्न जोन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है और उन्होंने हमेशा टीमवर्क और सहकारिता को महत्व दिया है। इससे पहले, वे सियालदह डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर के रूप में कार्यरत थे। उनके कार्यकाल में, विशेष रूप से उपनगर ट्रेनों को 12 कोच में परिवर्तित करने जैसे कई अहम फैसले लिए गए, जिससे ट्रेन की समयबद्धता और यात्री सुरक्षा में सुधार हुआ। इसके अलावा, उन्होंने झांसी के वैगन रिपेयर वर्कशॉप में मुख्य वर्कशॉप मैनेजर के रूप में कार्य किया, जो भारतीय रेलवे का

एक प्रमुख वर्कशॉप है।

निगम की विशेषज्ञता मुख्य रूप से रोलिंग स्टॉक मेंटेनेंस और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास में है। झांसी के डिप्टी सीएमई के रूप में उन्होंने कोच मिडलाइफ रीहैबिलिटेशन वर्कशॉप को सफलता-पूर्वक लागू किया। वे राईट्स में भी प्रतिनियुक्ति पर रहे, जहां उन्होंने 'मेड इन इंडिया' पहल के तहत मोजाम्बिक को लोकोमोटिव, कोच और वैगन के निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस योगदान के लिए उन्हें 2012 में रेल मंत्रालय द्वारा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

बिड़ला ओपन माइंड्स ने पश्चिम बंगाल में अपनी उपस्थिति मजबूत करते हुए सिंगूर में खोला स्कूल

कोलकाता : बिड़ला ओपन माइंड्स ने सिंगूर में अपना नया विद्यालय बिड़ला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल खोलने की घोषणा की है। यह विस्तार ब्रांड के मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार, समग्र और सक्षम शिक्षा प्रदान करना है। बिड़ला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल, एक समग्र प्रीस्कूल से लेकर कक्षा 12 तक की शिक्षा प्रदान करता है। जिसमें अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और मूल्य आधारित शिक्षा का संयोजन किया गया है। स्कूल का पाठ्यक्रम 21वीं सदी के कौशलों जैसे आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता, सहयोग और संवाद पर जोर देता है, ताकि छात्र वैश्विक नागरिक बनने के लिए तैयार हो सकें।

सिंगूर कैंपस को एक इमर्सिव लर्निंग अनुभव देने के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है, जिसमें विज्ञान और गणित की प्रयोगशालाएं, डिजिटल पुस्तकालय, एंफीथियेटर, खेल सुविधाएं और कला-संवर्धित स्थान शामिल हैं, जो छात्रों के समग्र विकास को सुनिश्चित करते हैं। बिड़ला ओपन माइंड्स के प्रबंध निदेशक, निर्भान बिड़ला ने कहा, हम सिंगूर में इस स्कूल को खोलकर खुश हैं। हमारा उद्देश्य एक ऐसा शैक्षिक वातावरण बनाना है, जहां नवाचार और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा मिले। प्रधानाचार्य प्रियदर्शिनी ने कहा, हमारा ध्यान छात्रों में सीखने की प्रेरणा, आलोचनात्मक सोच और चरित्र-आधारित नेतृत्व को विकसित करने पर है।

मालदह डिवीजन के स्टेशनों पर मार्च 2025 में यात्री सुविधाओं का महत्वपूर्ण उन्नयन

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने मार्च 2025 के महीने में मालदह डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को महत्वपूर्ण रूप से उन्नत किया है। यह कदम रेलवे के यात्री कंफर्ट और इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। भागलपुर स्टेशन पर प्लेटफार्म नंबर 1 पर दो नए वाटर कूलर स्थापित किए गए हैं, जो यात्रियों को अतिरिक्त ठंडे पीने के पानी की सुविधा प्रदान करेंगे। खासकर गर्मियों में यह कदम यात्रियों के लिए राहत का कारण बनेगा। जमालपुर स्टेशन पर, यात्री गतिशीलता को बढ़ाने के लिए वाणिज्यिक भवन में दो एस्केलेटर लगाए गए हैं, जो बुजुर्ग यात्रियों, महिलाओं, बच्चों और भारी सामान के साथ यात्रा करने वालों के लिए सुविधाजनक होंगे। शिवनारायणपुर स्टेशन पर, स्टेशन के परिभ्रमण क्षेत्रों में सुरक्षा और रोशनी सुनिश्चित करने के लिए दो हाई मास्ट टावर लगाए गए हैं। इन टावरों में आठ 200-वाट के एलईडी फ्लडलाइट्स और टाइमर स्विचेस लगाए गए हैं, जिससे रात के समय बेहतर रोशनी उपलब्ध होगी।

इसके अलावा, जमालपुर स्टेशन के प्लेटफार्म 1, 2 और 3 पर तीन लिफ्टें स्थापित की गई हैं। प्रत्येक लिफ्ट में 13 यात्रियों की क्षमता है। गोड्डा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 पर भी एक लिफ्ट स्थापित की गई है, जो वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों और भारी सामान वाले यात्रियों के लिए सहायक होगी। इन नई सुविधाओं से पूर्वी रेलवे की यात्री-केंद्रित विकास और संरचनात्मक आधुनिकीकरण की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है।

तपन सिन्हा मेमोरियल हॉस्पिटल में मनाया गया 'फायर सेफ्टी वीक 2025'

कोलकाता : कोलकाता मेट्रो रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाती है। मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी नियमित रूप से 'कोलकाता की जीवनरेखा' के सुरक्षा उपायों की निगरानी और समीक्षा करते हैं, ताकि सुरंगों या वायाडक्ट (ऊपरी पुल) में आग जैसी किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इसी उद्देश्य से मेट्रो के विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को आग से निपटने के लिए नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है।

21 अप्रैल से 25 अप्रैल 2025 तक आयोजित फायर सेफ्टी वीक के अंतर्गत मेट्रो रेलवे के टपन सिन्हा मेमोरियल हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने 22 अप्रैल को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुन्या सलीला श्रीवास्तव के साथ आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया। इस वेबिनार में फायर सेफ्टी अनुपालन और नियमों के बारे में

चर्चा की गई तथा प्रभावी अग्नि सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

23 अप्रैल 2025 को, टपन सिन्हा मेमोरियल हॉस्पिटल परिसर में मेट्रो रेलवे अग्निशमन सेवा और पश्चिम बंगाल अग्निशमन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में फायर सेफ्टी का लाइव प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर मेट्रो रेलवे के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमिताभ दत्ता की उपस्थिति में 50 से अधिक कर्मचारियों एवं आरपीएफ कर्मियों ने हिस्सा लिया।

प्रदर्शन के दौरान अग्निशमन यंत्रों की विभिन्न प्रकारें और उन्हें उपयोग में लाने की विधियों का विस्तृत प्रदर्शन किया गया, जिससे आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

मेट्रो रेलवे द्वारा इस तरह की पहलें, सुरक्षा को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

मुख्यमंत्री ममता ने ईस्ट बंगाल टीम को 50 लाख का नकद पुरस्कार देने की घोषणा

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस सीजन में इंडियन वुमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) फुटबॉल टूर्नामेंट का जीतने के लिए गुरुवार को ईस्ट बंगाल महिला टीम को 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। इस दिन, शाम को ईस्ट बंगाल क्लब के शताब्दी वृत्तचित्र, 'शतोबर्शर ईस्ट बंगाल' के लॉन्च के अवसर पर इमामी ईस्ट बंगाल एफसी की आईडब्ल्यूएल विजेता टीम को

रविंद्र सदन में मुख्यमंत्री ममता ने सम्मानित किया। ईस्ट बंगाल की महिलाओं की सराहना करते हुए ममता ने कहा कि लड़कियों ने एक जबरदस्त उपलब्धि हासिल की है।

राष्ट्रीय लीग जीतना एक असाधारण उपलब्धि है और लीग में दबदबा बनाने का श्रेय टीम और मुख्य कोच को जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें अगले सत्र की एएफसी महिला चैंपियंस लीग के लिए शुभकामनाएं देती हूं। मुझे उम्मीद है कि वे महाद्वीपीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने की ईस्ट बंगाल की विरासत को जारी रखेंगे। क्लब की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से ईस्ट बंगाल की महिलाओं को एक विशेष ट्रॉफी से सम्मानित करने के अलावा ममता ने विजयी टीम के लिए 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की भी घोषणा की।

लिव-इन पार्टनर से छेड़खानी का विरोध करना पड़ा भारी, न्यूटाउन में युवक की पिटाई के बाद मौत

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन गौरांग नगर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। छेड़खानी का विरोध करना एक युवक संकेत चट्टोपाध्याय को जान से हाथ धोने की कीमत चुकानी पड़ी। बांस के डंडों से बुरी तरह पीटे जाने के बाद अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। पुलिस व स्थानीय लोगों ने बताया कि संकेत अपनी महिला मित्र के साथ न्यूटाउन के गौरांग नगर इलाके में लिव-इन में रह रहे थे। बुधवार की रात दोनों के बीच किसी बात को लेकर बहस हो गई, जिसके बाद युवती घर से बाहर निकल गई। आरोप है कि उसी दौरान कुछ बदमाशों ने महिला के साथ छेड़छाड़ की।

युवती की चीख-पुकार सुनकर संकेत तुरंत मौके पर पहुंचे और बदमाशों को रोकने की कोशिश की। इसी पर नाराज होकर बदमाशों ने संकेत पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने संकेत को तब तक पीटा जब तक वह बेहोश नहीं हो गया। आसपास के लोग जब तक मदद के लिए पहुंचे, तब तक बदमाश भाग चुके थे। गंभीर रूप से घायल संकेत को एनआरएस अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, अत्यधिक रक्तस्राव के चलते उसकी मौत हुई। घटना की सूचना मिलते ही न्यूटाउन पुलिस मौके पर पहुंची और युवती की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपितों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोगों ने रात में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि आरोपितों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मुर्शिदाबाद में एक घर के पास बम विस्फोट, इलाके में मची अफरा-तफरी

मुर्शिदाबाद : रघुनाथगंज थाना क्षेत्र के लालखानडिया गांव में गुरुवार सुबह एक घर के पास बम विस्फोट होने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घर को घेर लिया। विस्फोट की तेज आवाज से इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग डर के मारे घबराहट में आ गए। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, बम विस्फोट उस स्थान पर हुआ जहां कोई व्यक्ति नहीं रहता था, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि किसी ने जानबूझकर वहां बम छिपाकर रखा था, जो बाद में फट गया। इस घटना के बाद, परिवार ने दावा किया कि किसी ने उनके घर में बम जानबूझकर रख दिया था। उनका कहना था कि अगर कोई अप्रिय घटना घटती तो वे फंस सकते थे, लेकिन सौभाग्य से विस्फोट के बावजूद कोई बड़ी घटना नहीं हुई।

दांपत्य कलह के चलते पत्नी की हत्या, कस्बा में पार्किंग में मिली खून से सना शव

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के कस्बा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां दांपत्य कलह के चलते पत्नी की हत्या कर दी गई। मृतका का नाम रीना मंडल (33) है। पुलिस ने आरोपी पति जनार्दन मंडल (36) को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। इस बीच, गुरुवार को आरके चटर्जी रोड स्थित एक आवासीय परिसर के पार्किंग लॉट में रीना मंडल का खून से सना शव स्थानीय लोगों ने देखा। शव को देखते ही तुरंत पुलिस को सूचित किया गया, जिसके बाद पुलिस और

लालबाजार के होमिसाइड अधिकारी मौके पर पहुंचे। महिला को नजदीकी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया और हत्या में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है और आरोपी पति से पूछताछ की जा रही है।

ओएमआर में गड़बड़ी बताकर अयोग्य घोषित, फिर भड़का शिक्षक आंदोलन

कोलकाता, समाज्ञा : शिक्षक नियुक्ति से जुड़ी विवादित प्रक्रिया को लेकर एक बार फिर करुणामयी स्थित स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। गुरुवार की सुबह से बड़ी संख्या में वे शिक्षक और शिक्षा कर्मी विरोध में जुटे हैं, जिन्हें ओएमआर शीट में त्रुटि के आधार पर 'अयोग्य' घोषित कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक अदालत में यह साबित नहीं हो जाता कि ओएमआर शीट में गड़बड़ी हुई है, तब तक एसएससी किस आधार पर उन्हें 'अयोग्य' ठहराकर वेतन बंद कर सकता है? इस सवाल को लेकर शिक्षक एसएससी दफ्तर के सामने डटे हुए हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उनकी नौकरी को साजिश के तहत छीना गया है। इधर, जिन

शिक्षकों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'दागी नहीं' मानते हुए अस्थायी रूप से स्कूलों में लौटने की इजाजत दी गई थी, वे अब धीरे-धीरे कार्यस्थल पर लौटने लगे हैं। हालांकि, इन शिक्षकों का कहना है कि वे स्कूल जाने के साथ-साथ आंदोलन भी जारी रखेंगे। इस बीच, करुणामयी के पास स्थित निवेदिता भवन में भी नियुक्ति रद्द किए गए शिक्षा कर्मियों का अनशन जारी है। इनमें से तीन लोग गुरुवार को बीमार हो गए, लेकिन उन्होंने अनशन तोड़ने से इनकार कर दिया है। उनकी भी यही मांग है कि जैसे शिक्षकों को स्कूल में वापस भेजा गया है, वैसे ही शिक्षा कर्मियों को भी स्कूल में लौटने का अवसर मिलना चाहिए।

शुभेंदु अधिकारी के बारुइपुर में 'संदिग्ध कश्मीरियों' के होने के दावे को पुलिस ने किया खारिज

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल पुलिस ने गुरुवार को राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि दक्षिण 24 परगना के बारुइपुर में दो कश्मीरी संदिग्ध गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति मध्यप्रदेश के इंजीनियर हैं, जो राज्य में व्यवसाय के अवसर तलाश रहे हैं। बारुइपुर पुलिस जिला ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि दो व्यक्तियों - एक हिंदू और एक मुस्लिम - ने बारुइपुर में किराए के अपने फ्लैट की छत पर वायरलेस नेटवर्क प्रणाली स्थापित की थी। उसने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा जाहिर किये गए संदेह को भी सिरे से खारिज कर दिया। इस दिन, बारुइपुर पुलिस ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर जारी बयान में कहा कि मध्यप्रदेश के रहने वाले दो व्यक्तियों में से एक हिंदू और दूसरा मुस्लिम है। उन्होंने करीब तीन सप्ताह पहले बारुइपुर में एक फ्लैट किराए पर लिया था। पेशे से इंजीनियर, वे एक स्थानीय मित्र के माध्यम से पश्चिम बंगाल में मछली पालन में व्यावसायिक अवसरों की तलाश कर रहे थे। उनके फ्लैट में एक साधारण जियोफाइबर नेटवर्क है, इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं है। पुलिस का स्पष्टीकरण तब आया जब शुभेंदु ने 'एक्स' पर एक वायरलेस नेटवर्क प्रणाली के डिस्क की तस्वीर साझा की और आरोप लगाया कि कश्मीर के दो व्यक्ति बारुइपुर में रह रहे हैं और 'संदिग्ध' गतिविधियों में संलिप्त हैं। उन्होंने प्रकरण की राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से जांच कराने की मांग की।

राणाघाट में देह व्यापार के कारोबार का भंडाफोड़, एक महिला समेत चार गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले में देह व्यापार के कारोबार का भंडाफोड़ किया गया है। पता चला है कि राणाघाट थाना पुलिस ने एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक महिला और तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से एक व्यक्ति उसी मकान का मालिक बताया जा रहा है जहां यह धंधा चल रहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक़, उन्हें सूचना मिली थी कि घनी बस्ती में बने एक निजी मकान में देह व्यापार का गोरखधंधा चलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही राणाघाट पुलिस की पेट्रोलिंग टीम ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर छापा मारा और आपत्तिजनक गतिविधियों में शामिल एक महिला और तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया। इस दौरान वहां से दो युवतियों को भी बरामद

किया गया, जिनके बारे में माना जा रहा है कि उन्हें शोषण का शिकार बनाया जा रहा था। पुलिस के प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, गिरफ्तार महिला इस पूरे नेटवर्क की मुख्य संचालिका है, जो बाहरी जिलों या राज्यों से लड़कियों को लाकर इस अवैध धंधे में शामिल करती थी। वहीं, जिन तीन पुरुषों को गिरफ्तार किया गया, उनमें एक उस घर का मालिक भी शामिल है, हालांकि उसने अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार किया है और खुद को निर्दोष बताया है। पुलिस ने दोनों युवतियों को तत्काल सुरक्षा में लिया और उन्हें अदालत में न्यायाधीश के सामने पेश किया, जहां उनका गोपनीय बयान दर्ज किया गया। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि पुलिस इस मामले में मानव तस्करी, यौन शोषण और महिला सुरक्षा कानूनों के तहत और गंभीर धाराएं भी जोड़ सकती है। गिरफ्तार चारों आरोपियों को राणाघाट अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस नेटवर्क के तार कहीं और से भी जुड़े हैं या नहीं।

एसटीएफ ने आठ लोगों को आग्नेयास्त्रों के साथ किया गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : एसटीएफ ने गुप्त सूत्रों से जानकारी मिलने के बाद अभियान चलाकर आठ लोगों को आग्नेयास्त्रों के साथ गिरफ्तार किया। पता चला है कि गुरुवार को पुलिस ने आनंदपुर थाना अंतर्गत बासंती हाईवे पर एक चार पहिया वाहन और एक बाइक जब्त की। जांच अधिकारियों ने वाहन की तलाशी ली और हथियार बरामद किये। बताया गया है कि आठ युवक कोलकाता से सुंदरवन जा रहे थे। पुलिस ने तीन बंदूकें, दो मैगजीन, 16 राउंड गोलियां और दो धारदार हथियार बरामद किए। सूत्रों ने बताया कि आठ सदस्यीय गिरोह डकैती के उद्देश्य से एकत्र हुआ था। गिरफ्तार सभी आठ लोगों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हालांकि, पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या यह महज लूट थी या इसके पीछे कोई और कारण था। पूछताछ जारी है। जांचकर्ता यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि इस गिरोह के पीछे और कौन लोग हैं, 'ऑपरेशन' की योजना क्या थी, तथा हथियार कहां से आए।

नदिया में बांग्लादेशी महिला और भारतीय दलाल गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले के धानतला थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बांग्लादेशी महिला और उसे भारत में घुसाने वाले भारतीय दलाल को गिरफ्तार किया है। घटना नदिया जिले के धानतला थाना क्षेत्र के दत्तफुलिया के कानीबामनी इलाके की है, जहां पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए छापा मारा और दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार महिला की पहचान लकी भुइयां के रूप में हुई है, जो बांग्लादेश के बरीसाल जिले की रहने वाली है। वहीं, भारतीय दलाल का नाम इमान अली मंडल बताया गया है, जो उत्तर 24 परगना जिले के अकाइपुर (पूर्व हुड़ा क्षेत्र) का निवासी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, लकी भुइयां ने सुबह-सुबह भारतीय सीमा में अवैध रूप से प्रवेश किया था। यह काम भारतीय दलाल इमान

अली मंडल की मदद से अंजाम दिया गया।

पुलिस को इस पूरे मामले की पहले से गुप्त सूचना थी, जिसके आधार पर निगरानी बढ़ाई गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद राणाघाट अदालत में पेश किया। अदालत में पुलिस हिरासत की मांग की गई है ताकि पूछताछ कर इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों और गहरी साजिशों का पर्दाफाश किया जा सके।

केंद्र को पहलगाम हमले पर बैठक के लिए पार्टी अध्यक्षों को बुलाना चाहिए था : तृणमूल

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि केंद्र को पहलगाम आतंकवादी हमले पर सर्वदलीय बैठक के लिए राजनीतिक दलों के अध्यक्षों को आमंत्रित करना चाहिए था। साथ ही, उन्होंने प्रश्न किया कि इसे केवल 'संसदीय दलों' तक ही क्यों सीमित रखा गया? तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने प्रश्न किया कि क्या उन्होंने सर्वदलीय बैठक बुलाई है या सभी संसदीय दलों की बैठक? पार्टी के नेता ने नाम न उजागर करने का अनुरोध करते हुए कहा कि जब मामला इतना गंभीर है तो सभी दलों के अध्यक्षों को बैठक में बुलाया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि अगर बुलाया जाता तो पार्टी नेता ममता बनर्जी जरूर बैठक में शामिल होतीं। तृणमूल कांग्रेस के लोकसभा सदस्य सुदीप बंद्योपाध्याय बृहस्पतिवार शाम को होने वाली बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

शक्तिगढ़ में पिता ने गुस्से में आकर बेटे की कुल्हाड़ी से मारकर की हत्या, इलाके में सनसनी

वर्दवान : पूर्व वर्दवान के शक्तिगढ़ में गुस्से में आकर एक पिता ने अपने बेटे की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। मृतक का नाम सुजीत सिंह है। मिली जानकारी के अनुसार, पिता साधन सिंह और उसका बेटा सुजीत सिंह दोनों ही खेत के मजदूर थे। दोनों के बीच शराब पीने को लेकर अकसर झगड़े होते रहते थे। बुधवार को साधन सिंह खेत से लौटकर घर आया। इसके बाद, बाप-बेटा खाने के लिए बैठ गए। बताया जा रहा है कि इस दौरान दोनों के बीच फिर से झगड़ा शुरू हो गया, जो बाद में इतना बढ़ गया कि सुजीत ने साधन सिंह का खाने का थाना फेंक दिया। इसके बाद, घर में रखी कुल्हाड़ी लेकर साधन सिंह ने बेटे सुजीत के चेहरे और माथे पर लगातार वार कर दिया। घटना का पता चलते ही आसपास के लोग

मौके पर पहुंचे और रक्तरंजित हालत में सुजीत को वर्दवान मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान बुधवार शाम को सुजीत की मृत्यु हो गई। इस मामले की लिखित शिकायत शक्तिगढ़ थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस ने जांच करते हुए आरोपी साधन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को गुरुवार को वर्दवान कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

उमेशचंद्र कॉलेज ने 'विश्व पुस्तक दिवस और कॉपीराइट दिवस' किया आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : उमेशचंद्र कॉलेज पुस्तकालय और आंतरिक गुणवत्ता और मूल्यांकन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित 'विश्व पुस्तक दिवस और कॉपीराइट दिवस' का आयोजन किया गया। उमेशचंद्र कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. मो. तफज्जल हक ने स्वागत भाषण में मुख्य वक्ताओं का स्वागत करते हुए मौजूदा समय मे पुस्तकों और पुस्तकालय की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि बाल साहित्यकार एवं शिशु किशोर अकादमी के कार्यकारिणी सदस्य डॉ पार्थजीत गंगोपाध्याय पुस्तक सर्जना और कॉपीराइट ऐक्ट के बारें में चर्चा किए। मुख्य वक्ता उमेशचन्द्र कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो प्रकृति रंजन दास ने पुस्तक दिवस के इतिहास पर अपने विचार रखें। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ कमल कुमार एवं

धन्यवाद ज्ञापन पुस्तकाध्यक्षा डॉ. कावेरी कर्मकार ने किया। इस अवसर पर 'सर्वोत्तम पुस्तकालय यूजर' पुरस्कार के विविध श्रेणियों में विद्यार्थियों को पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. रमा दे नाग, डॉ अरूप बक्शी, डॉ महाश्वेता भट्टाचार्य, प्रो बसंत बर्मन, प्रो पूजा मुखर्जी, प्रो फ़हाद हक, झिलम हाजरा, गौतम दास, मनोज पाठक, सौविक रॉय, अमित कुमार सिंह, नीलकमल, आनंद रजक, तुषार सोनकर, तमोघना दत्ता, हर्ष गुप्ता, सुष्मिता सिंह, रोहन कुमार रजक, पवन साव, प्रियांशु सिंह सहित कॉलेज के अन्य शिक्षक, कर्मचारीगण, छात्र परिषद संसद के छात्रों की गरिमामयी उपस्थिति रहीं।

दुर्लभ रोगों के इलाज को लेकर राज्य से रिपोर्ट तलब, व्हीलचेयर और भत्ते पर भी उठे सवाल

कोलकाता : कोलकाता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से दुर्लभ रोगों के इलाज के लिए मिले अनुदान की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवज्ञानम और न्यायमूर्ति चैताली चट्टोपाध्याय दास की डिवीजन बेंच ने यह निर्देश एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया। केंद्रीय सरकार के अधिवक्ता अभिजीत भद्र ने कोर्ट को बताया कि आईपीजीएमर (आईपीजीएमईआर) को दुर्लभ रोगों के इलाज के लिए 24 मई 2024 तक कुल 10 करोड़ रुपये का अनुदान केंद्र सरकार द्वारा दिया गया था। हाईकोर्ट ने यह जानना चाहा है कि यह राशि किस तरह खर्च की गई या हो रही है। कोर्ट ने राज्य को निर्देश दिया है कि वह राशि खर्च की पूरी जानकारी अदालत को दे। केंद्र सरकार के वकील ने कोर्ट को यह भी जानकारी दी कि पहले दुर्लभ रोग से पीड़ित मरीजों को 20 लाख रुपये की सहायता दी जाती थी, जिसे बढ़ाकर अब 50 लाख रुपये कर दिया गया है। कोर्ट ने राज्य के विशेष पुलिस अस्पतालों को भी निर्देश दिया है कि वे अगले सात दिनों में पांच-पांच व्हीलचेयर मरीजों के लिए उपलब्ध कराएं। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो कोर्ट ने राज्य सरकार के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई की चेतावनी दी है। इसके साथ ही, अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि राज्य सरकार दुर्लभ रोगों से पीड़ित मरीजों को मासिक 1000 रुपये का भत्ता देती है, लेकिन क्या यह राशि बढ़ाई जा सकती है? इस पर भी राज्य से जवाब मांगा गया है। हाईकोर्ट ने साफ किया है कि दुर्लभ रोगों से पीड़ित मरीजों के अधिकारों की रक्षा और उनके इलाज की जिम्मेदारी सरकार की है, और इसमें किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राज्य की थानों में लगे सीसीटीवी को लेकर हाईकोर्ट ने डीजी से मांगी रिपोर्ट

- **आठ हफ्ते में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश**

कोलकाता : राज्य के थानों में सीसीटीवी कैमरों के आधुनिकीकरण को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। गुरुवार को एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवज्ञानम और न्यायमूर्ति चैताली चट्टोपाध्याय की डिवीजन बेंच ने राज्य पुलिस महानिदेशक (डीजी) को आठ सप्ताह के भीतर हलफनामे के रूप में एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

यह याचिका तथागत दत्ता नामक व्यक्ति द्वारा दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद राज्य के थानों में अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाए गए हैं। याचिका में बताया गया है कि कैमरों में नाइट विजन और ऑडियो रिकॉर्डिंग की सुविधा अनिवार्य है, और थानों के सभी हिस्सों को (शौचालय को छोड़कर) इन कैमरों की निगरानी में लाना अनिवार्य किया गया है। लेकिन, इसके बावजूद थानों में लगे सीसीटीवी की स्थिति बेहद खराब है।

याचिकाकर्ता ने अदालत को यह भी बताया कि हाईकोर्ट और निचली अदालतों द्वारा थानों से सीसीटीवी फुटेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए जाने पर भी पुलिस कई बार असमर्थ रहती है। हाल ही में जादवपुर कांड में दो छात्राओं के साथ कथित दुर्व्यवहार की घटना का हवाला भी अदालत में दिया गया, जहां सीसीटीवी फुटेज अदालत को नहीं सौंपा जा सका।

न्यायालय को यह भी बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अब तक अधिकतर थानों में सीसीटीवी कैमरों को अपडेट नहीं किया गया है। इसका सीधा असर न्याय प्रक्रिया पर पड़ रहा है, क्योंकि आवश्यक साक्ष्य अदालत को समय पर नहीं मिल पाते।

इस स्थिति को देखते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने राज्य के सभी थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट तलब की है और डीजी को निर्देश दिया है कि आठ सप्ताह में विस्तृत हलफनामा अदालत में दाखिल करें।

विवाहित महिला के साथ संबंध नहीं स्वीकार करने पर बेटे ने की पिता की हत्या, गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा

भांगड़ में एक पिता का बेटे के हाथों हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। पता चला है कि अपने बेटे के विवाहित महिला के साथ संबंध को स्वीकार न करने पर बेटे ने पिता की हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का नाम आबिद अली मीर (75) है। वह बराली मल्लिक पाड़ा का रहने वाला हैं। कथित तौर पर, राशिद का एक महिला के साथ विवाहेतर संबंध है। वह दो बच्चों की मां है। राशिद के पिता अबेद अली मीर को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। पिता और पुत्र के बीच अक्सर इस बात को लेकर विवाद भी होता था। ऐसे में कुछ दिन पहले राशिद महिला को लेकर कहीं और रहने लगा।

हालांकि, बुधवार की रात जब वे घर लौटे तो पिता-पुत्र के बीच झगड़ा चरम पर पहुंच गया। जब आबेद अली ने विरोध किया तो कथित तौर पर उसने अपने पिता पर कुदाल से हमला कर दिया। खून से लथपथ आबेद को नलमुरी ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। जब उनकी हालत बिगड़ी तो उन्हें एसएसकेएम अस्पताल ले जाया गया। वह वहीं मर गया। इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। बेटे रशीद को गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ने आदेश दिया है कि अगर उसे अदालत में पेश किया जाता है तो उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा। इस बीच, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जांच शुरू कर दी है।

देश के वर्तमान हालात में यह उचित नहीं - 26 अप्रैल को ब्रिगेड सभा की अनुमति नहीं दी हाईकोर्ट ने मुस्लिम लॉ बोर्ड को

कोलकाता : 26 अप्रैल को ब्रिगेड ग्राउंड में प्रस्तावित सभा की अनुमति नहीं दी गई है। वक्फ संशोधित कानून के विरोध में मुस्लिम लॉ बोर्ड द्वारा आयोजित की जाने वाली सभा को कोलकाता हाईकोर्ट ने अनुमति देने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति तीर्थंकर घोष ने यह कहते हुए अनुमति नहीं दी कि, देश के हालिया हालात को देखते हुए किसी भी संगठन को अगले 7 दिनों तक विरोध प्रदर्शन या सभाओं का आयोजन नहीं करना चाहिए। यह टिप्पणी उन्होंने राज्य के एडवोकेट जनरल (एजी) और केंद्र के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) की उपस्थिति में की।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में वक्फ अधिनियम में संशोधन के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में मुस्लिम समुदाय के कुछ वर्गों द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। बंगाल में भी इसका असर दिखने लगा है। इसी कड़ी में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने 26 अप्रैल को कोलकाता के ब्रिगेड ग्राउंड में एक बड़ी सभा आयोजित करने की योजना बनाई थी।

फुरफुरा शरीफ के पीरजादा मेहरब सिद्दीकी ने पहले घोषणा की थी कि यह सभा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर आयोजित की जाएगी। लेकिन अब खुद कोलकाता हाईकोर्ट ने इसकी अनुमति देने से मना कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक, कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद राज्य में सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

गांवों का विकास किए बिना भारत का विकास संभव नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने मधुबनी में कार्यक्रम में पहलगाम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी

प्रधानमंत्री ने बिहार को 13,500 करोड़ रु की परियोजनाओं की सौगात दी, चार नई ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी

मधुबनी : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को यहां करीब 13,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया तथा चार नई ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन चार नयी ट्रेनों में सहरसा और मुंबई के बीच 'अमृत भारत एक्सप्रेस', जयनगर और पटना के बीच 'नमो भारत रैपिड रेल', पिपरा–सहरसा तथा सहरसा–समस्तीपुर के बीच चलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। यहां राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने सुपौल–पिपरा रेल लाइन, हसनपुर–बिथन रेल लाइन तथा छपरा और बगहा में दो लेन वाले रेल ओवरब्रिज का उद्घाटन किया। उन्होंने खगड़िया–अलौली रेल लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया। प्रधानमंत्री ने गोपालगंज जिले के हथुआ में लगभग 340 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एलपीजी बॉटलिंग प्लांट की आधारशिला रखी, जिसमें रेल अनलोडिंग की सुविधा भी होगी। यह संयंत्र थोक एलपीजी परिवहन को अधिक कुशल और आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर बनाएगा। प्रधानमंत्री ने बिजली क्षेत्र में पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत 1,170 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 5,030 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

मोदी की मौजूदगी में नीतीश ने पिछली बार राजग से बाहर होने का ठीकरा केंद्रीय मंत्री ललन पर फोड़ा

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से पिछली बार अलग होने का दोष अपने करीबी सहयोगी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पर मढ़ा, जो अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। पिछले साल लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही भाजपा के साथ फिर से जुड़ने वाले कुमार ने यह बात प्रधानमंत्री की मौजूदगी में कही। जब मधुबनी जिले में एक समारोह के दौरान कुमार ने यह टिप्पणी की तब मंच पर ललन भी मौजूद थे।

मधुबनी (बिहार) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बिहार के मधुबनी में 13,500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया तथा देश भर के पंचायती राज संस्थानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने गांवों का विकास किए बिना विकास नहीं कर सकता। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना की। बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव संभावित हैं। मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित बिहार आवश्यक है और यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रगति का लाभ राज्य के सभी कोनों तक पहुंचे। प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी का यह विचार कि गांवों को सशक्त किए बिना भारत का विकास नहीं हो सकता, पंचायती राज व्यवस्था के पीछे की अवधारणा है। उन्होंने कहा, 'बिहार वह भूमि है जहां से बापू ने सत्याग्रह का मंत्र दिया था। उनका मानना था कि जब तक गांव सशक्त नहीं होंगे, भारत का विकास नहीं होगा।' उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को शुरू की गई परियोजनाएं राज्य में विकास को बढ़ावा देंगी और रोजगार के अवसर पैदा करेंगी। मोदी ने कहा,'किसान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, यह रीढ़ जितनी मजबूत होगी, गांव उतना ही मजबूत होगा और परिणामस्वरूप राष्ट्र भी।' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पंचायतों ने सामाजिक भागीदारी को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है जिसने पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज बिहार में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, दलितों, महादलितों, पिछड़ों और अति पिछड़े समुदायों की बड़ी संख्या में महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं। यह वास्तविक सामाजिक न्याय और लोकतंत्र है।'

नीतीश कुमार ने पहलगाम हमले पर कहा: पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है

मधुबनी (बिहार) : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की बृहस्पतिवार को निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है। मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में एक सरकारी समारोह में कुमार ने अपने राजनीतिक गठबंधन की फिर पुष्टि करते हुए कहा, ''मैंने पूर्व में गलती की है, लेकिन मैं हमेशा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ रहूंगा।'' उन्होंने कहा, ''पहलगाम में हुए हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह एक जघन्य कृत्य था। हम सभी इसकी निंदा करते हैं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम आपके साथ हैं। पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है।'

न्यूज इन ब्रीफ

गोरखपुर के खेत में मिले युवक-युवती के शव, आत्महत्या का संदेह

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में चिलुआताल थाना क्षेत्र के चिउथा पुल के पास एक खेत में बृहस्पतिवार को एक युवक और युवती के शव मिले। दो दिन पहले वे लापता हो गए थे। पुलिस ने बताया कि दोनों के शव एक-दूसरे से करीब 100 मीटर की दूरी पर थे और युवती का चेहरा नकाब से ढका हुआ था। पुलिस के मुताबिक, उसके पास जहर की शीशी, एक हैंडबैग और एक दुपट्टा मिला और पास ही सड़क के किनारे उनका स्कूटर खड़ा हुआ था। पुलिस ने बताया कि ग्रामीणों ने शव देखकर अधिकारियों को सूचित किया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दोनों के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं थे और पुलिस को संदेह है कि दोनों ने आत्महत्या की होगी।

रामलला के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के पास ही मिलेगी पार्किंग की सुविधा

अयोध्या : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अयोध्या में एक पार्किंग के निर्माण का निर्णय लिया है। पार्किंग निर्माण की योजना पर काम शुरु हो गया है। यह पार्किंग मांझा जमथरा के समीप 35 एकड़ क्षेत्र में बनाई जाएगी। निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग की सीडी–2 इकाई करेगी। पार्किंग स्थल पर एक साथ 475 वाहन खड़े हो सकेंगे। इस सुविधा से न केवल श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी, बल्कि अयोध्या में यातायात प्रबंधन भी सुगम बनाया जा सकेगा। परियोजना में पांच मंजिला इमारत का निर्माण शामिल है, जिसमें दो 'डॉरमेट्री' और 13 दुकानें भी होंगी। एक बयान के मुताबिक श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है और हर दिन लाखों लोग मंदिर दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिसके कारण पार्किंग व यातायात व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बन गई है।

न्यूज अपडेट

झारखंड सरकार ने भीषण गर्मी के कारण स्कूलों के समय में बदलाव किया

रांची : झारखंड सरकार ने राज्य में पड़ रही भीषण गर्मी के मद्देनजर बृहस्पतिवार को स्कूलों के समय में बदलाव की घोषणा की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के छात्रों के लिए विद्यालय का समय सुबह सात बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे तक होगा। जबकि वरिष्ठ विद्यार्थियों की कक्षाएं दोपहर तक चलेंगी। स्कूलों के लिए नया समय 26 अप्रैल से अगली सूचना तक लागू रहेगा। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, राज्य में गर्मी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए सभी श्रेणियों के सरकारी, गैर–सरकारी सहायता प्राप्त, गैर–सहायता प्राप्त (अल्पसंख्यक सहित) स्कूलों और सभी निजी स्कूलों में केजी से आठवीं कक्षा तक की कक्षाएं सुबह सात बजे से 11:30 बजे तक और नौवीं कक्षा से बारहवीं तक की कक्षाएं अगली सूचना तक सुबह सात बजे से दोपहर तक संचालित होंगी। झारखंड में भीषण गर्मी पड़ रही है और डाल्टनगंज में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बृहस्पतिवार को 12 जिलों – सिमडेगा, सरायकेला–खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, देवघर, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज जिलों के लिए 26 अप्रैल तक गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति का 'येलो' अलर्ट जारी किया गया।

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं परीक्षाओं के परिणाम शुक्रवार को किए जाएंगे घोषित

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) : उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपीएमएसपी) शुक्रवार को 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाओं के परिणाम घोषित करेगी और छात्र पहली बार 'डिजिलॉकर' पर अपनी डिजिटल 'मार्कशीट' प्राप्त कर पाएंगे। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यूपीएमएससी को यूपी बोर्ड भी कहा जाता है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद कार्यालय द्वारा बृहस्पतिवार शाम जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, वर्ष 2025 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा के परिणाम 25 अप्रैल, 2025 को दोपहर 12:30 बजे घोषित किए जाएंगे। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया, कक्षा 10 और 12 के परीक्षा परिणाम डिजिलॉकर की वेबसाइट पर भी देखे जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दोनों कक्षाओं के लिए 'डिजिलॉकर' पर डिजिटल मार्कशीट उपलब्ध कराई जाएंगी। सिंह ने कहा कि मार्कशीट पर डिजिटल रूप से सत्यापित हस्ताक्षर होंगे।

उम्मीद है कि सीमा हैदर को पाकिस्तानी नागरिकों से संबंधित सरकार के आदेश से रियायत मिलेगी: वकील

लखनऊ : पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत पहुंची सीमा हैदर के वकील को उम्मीद है कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार के आदेश से उनकी मुवक्किल को रियायत मिलेगी। सीमा के वकील ए.पी. सिंह ने बृहस्पतिवार को 'पीटीआई–भाषा' से बातचीत में कहा कि उनकी मुवक्किल ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के रहने वाले सचिन मीणा से शादी की है और हाल ही में एक बच्ची भारती मीना को भी जन्म दिया है इसलिये वह पाकिस्तानी नागरिक नहीं रह गयी हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि सीमा को सभी पाकिस्तानी नागरिकों के भारत छोड़ने के आदेश से छूट मिलेगी। सीमा के भारत आने के बाद से उसकी नागरिकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं में उसकी कानूनी सहायता कर रहे अधिवक्ता सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्देश सिर्फ उन लोगों पर लागू है जिनकी नागरिकता पाकिस्तान की है। उन्होंने कहा कि सीमा पाकिस्तानी नहीं है. वह भारत में हैं और भारतीय है। सिंह ने कहा कि महिला की नागरिकता पति के साथ जुड़ी होती है। अधिवक्ता ने कहा, ''सीमा का मामला इसलिये अलग है क्योंकि आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) उसके बारे में पहले से ही जांच कर रहा है। मैंने उसके मामले में राष्ट्रपति के समक्ष याचिका दाखिल की है। सीमा पहले से ही जमानत पर है और वह इससे जुड़ी तमाम शर्तों का पालन कर रही है।

समाज्ञा CINE मंत्र

'आखिर कब तक कश्मीर को सहना होगा'? – सोनाली बेंद्रे

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की घटना से पूरे देश में उबाल है। आतंकियों के इस कायराना हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई। हर कोई साजिशकर्ताओं को सख्त सजा देने की मांग कर रहा है। फिल्मी हस्तियां भी इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रही हैं। सोनाली बेंद्रे ने सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया है, जो काफी मार्मिक है।

'वे तो सुकून तलाशने घाटी आए थे'

सोनाली बेंद्रे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों के नाम हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा है, 'वे देवदार के पेड़ों में सुकून तलाशने आए थे। बर्फीली वादियों का रुख किया था उन्होंने कुछ खूबसूरत लम्हे बिताने के लिए। वर्षों तक सांस रोके रखने के बाद आखिरकार वे घाटी की सैर पर आए थे कुछ शांति के लिए'।

लोग खुले आसमान के नीचे कहानी रच रहे थे कि...

आगे लिखा है, 'परिवार। दोस्त। हनीमून पर आए जोड़े। अपनी मुलायम ऊनी आस्तीन को खींचते हुए नन्हे मासूम बच्चे। वे एक और सवारी की ख्वाहिश करते लोग, एक और खूबसूरत तस्वीर उतारने वाले सैलानी, खुले आसमान के नीचे जो एक कहानी रच रहे थे कि अचानक वह आवाज आई, जिसके लिए कोई सैलानी घाटी नहीं गया था। वह आवाज जो कभी किसी को पसंद नहीं होती, किसी से ताल्लुक नहीं रखती'।

'खाली कैफे में चाय उबलती ही रह गई'

सोनाली बेंद्रे ने लिखा है, 'जो दिन उनके लिए यादगार होना चाहिए था, वह सुर्खियों और शवों की गिनती में बदल गया। वे सैनिक नहीं थे। वे लड़ाके भी नहीं। वे तो महज सामान्य लोग थे, जो छुट्टियां मनाने आए थे। वे एक ऐसी जद्दोजहद में फंसे जो कभी उनकी थी ही नहीं। एक बार फिर, कश्मीर, जिसने उम्मीदें देखी थीं, जिसने स्वागत करने की हिम्मत की, वह खुद को

समेट लेता है। शटर बंद। घोड़े बे–रास्ते हो गए। खाली कैफे में चाय उबलती ही रह गईं और छूट गईं। इस जगह को कितनी बार खोना होगा, इससे पहले कि इसे बस यूं ही रहने दिया जाए, जैसी ये है'?

पहलगाम हमले पर सवाल करने वाले शख्स पर गुस्सा हुईं भाग्यश्री

भाग्यश्री को उनके फैंस ने शायद ही कभी गुस्से में देखा होगा लेकिन उनके सब्र ने जवाब दे दिया, जब एक शख्स ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सवाल उठा दिए। वह शख्स अप्रत्यक्ष तौर पर पाकिस्तान का साथ देता हुआ नजर आया। इस बात पर भाग्यश्री को गुस्सा आ गया। एक्ट्रेस ने उस शख्स की पोस्ट को अपने इंस्टाग्राम पेज पर साझा किया, साथ ही उसको करारा जवाब भी दिया।

भाग्यश्री ने अपनी पोस्ट में क्या जवाब दिया

इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में भाग्यश्री ने एक नोट लिखा, इसमें वह पाकिस्तान का समर्थन करने वाले शख्स के लिए लिखती हैं, 'यह ब्रेनलेस, बेवकूफ आदमी कौन है?'

वह आगे लिखती हैं, 'कश्मीर में काफी वक्त के बाद सब कुछ ठीक हुआ, वहां लोग फल-फूल रहे थे। आम कश्मीरी भी खुश थे, वहां शांति थी। सब कमा रहे थे, लोग बिना डर के रह रहे थे। हम भारतीय लोग भी वहां खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे थे।' आगे गुस्से में भाग्यश्री लिखती है, 'उन बदमाश लोगों को मार दो, जिन्होंने कश्मीर की शांति को खत्म कर दिया।'

उस शख्स ने क्या पोस्ट की थी

जिस शख्स को सोशल मीडिया पर भाग्यश्री

लताड़ रही हैं, उसने पहलगाम हमले के बाद एक ट्वीट किया था। इस आदमी का नाम वजाहत काजमी है। वह लिखता है, 'पहलगाम हमले के बाद कई सवाल उठते हैं। पाकिस्तान को इस हरकत के कारण कुछ हासिल नहीं होगा, ना उसे कूटनीतिक फायदा होगा। फिर जो लोग मारे गए वे आम लोग थे, सेना के लोग नहीं थे। यह घटना दिल्ली से आतंकवाद के नाम पर कश्मीर में दमन बढ़ाने का नया तरीका है।' इसी बात पर भाग्यश्री को गुस्सा आ गया।

इन सेलिब्रिटी ने भी दुख जताया

बुधवार को सलमान खान और शाहरुख खान जैसे सितारों ने भी पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया। आंतकवादियों को खरी–खोटी सुनाई। सलमान ने तो कहा था कि कश्मीर जो धरती पर स्वर्ग है, नरक में बदलता जा रहा है।

प्रोसेनजीत चटर्जी ने 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' शो से हिंदी टीवी में किया धमाकेदार डेब्यू

कोलकाता, समाज्ञा

स्टार प्लस ने हाल ही में अपने नए शो 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' की ग्रैंड प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। इस शो में रिश्तों के खट्टे–मीठे एहसासों को खूबसूरती से दर्शाया जाएगा। इवेंट की खास बात यह रही कि शो की पूरी स्टारकास्ट वहां मौजूद थी, और सबसे ज्यादा ध्यान आकर्षित किया बंगाली फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार प्रोसेनजीत चटर्जी ने, जो इस शो के जरिए हिंदी टेलीविजन में बतौर प्रोड्यूसर कदम रख रहे हैं। प्रोसेनजीत चटर्जी, जिनका बंगाली सिनेमा में बड़ा नाम है, अब हिंदी दर्शकों के लिए कुछ

खास लेकर आए हैं। उन्होंने इस नए सफर का जश्न अपनी टीम के साथ मनाया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में शो की स्टारकास्ट ने अपने किरदारों के बारे में मजेदार बातें साझा की और बताया कि यह कहानी आम जिंदगी से जुड़ी है, लेकिन फिर भी कुछ खास है। शो की प्रेस मीट का सबसे मजेदार हिस्सा हल्का–फुल्का गेम था, जिसमें प्रोसेनजीत और अन्य कास्ट मेंबर्स ने मजेदार जोड़ी बनाई और ऑडियंस का दिल जीत लिया। 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' बहुत जल्द स्टार प्लस पर देखने को मिलेगा।

'आतंकियों को धरती के छोर तक खदेड़ेंगे', रोहित शेट्टी ने साझा किया पीएम मोदी का संदेश

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने सैलानियों को निशाना बनाया। आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई और कई घायल हैं। इस घटना के बाद पूरे देश में उबाल है। हर कोई न्याय की आस लगा रहा है। फिल्मी सितारों ने भी इसकी आलोचना की है और कठोर एक्शन की मांग कर रहे हैं। ऐसे वक्त में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकियों को चेताते हुए जो कठोर संदेश दिया है, उसे रोहित शेट्टी ने सोशल मीडिया पर साझा किया है।

रोहित शेट्टी ने पीएम मोदी का संदेश किया साझा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमलों की साजिश करने वालों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने आज गुरुवार को बिहार के मधुबनी से कहा कि हमलों के लिए जिम्मेदारी लोगों को सजा मिलकर रहेगी और उन्हें

धरती के आखिरी छोर तक खदेड़ा जाएगा। फिल्म निर्माता–निर्देशक रोहित शेट्टी ने पीएम मोदी के इस संदेश की चंद लाइनें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं।

'हम उनका शिकार करेंगे'

रोहित शेट्टी ने पीएम मोदी का जो कोट साझा किया है, उसमें लिखा है, 'रोहित शेट्टी ने लिखा है, 'भारत हर आतंकवादी, उसके आकाओं और उसके समर्थकों की पहचान करेगा, उन्हें ढूंढेगा और उनकी मदद करने वालों को कठोर सजा देगा। हम उन्हें धरती के आखिरी छोर तक खदेड़ेंगे। भारत की आत्मा को आतंकवाद कभी नहीं तोड़ सकता'। इस पोस्ट के साथ रोहित शेट्टी ने कैप्शन लिखा है, 'हम उनका शिकार करेंगे'।

'सिम्बा' और 'सूर्यवंशी' का सीक्वल बनाएंगे रोहित शेट्टी

बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने पंचायती राज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए पहलगाम हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही खुले मंच से आतंकियों और उनके आकाओं को साफ शब्दों में चेतावनी दी। उनके पोस्ट पर यूजर्स पीएम मोदी पर भरोसा जता रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'सर्जिकल स्ट्राइक की जरूरत है'। रोहित शेट्टी के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में एलान किया है कि 'सिम्बा' और 'सूर्यवंशी' के सीक्वल जल्द बनेंगे।

पहलगाम हमला : हमने माथे से बिंदी उतार दी और 'अल्लाहु अकबर' कहना शुरू कर दिया- पीड़ित की पत्नी

पुणे : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में अपने पति को खोने वाली पुणे की एक महिला ने बृहस्पतिवार को कहा कि जब हमलावरों को पुरुषों से 'अजान' पढ़ने के लिए कहते देखा तो उन्होंने और समूह की अन्य महिलाओं ने तुरंत अपने माथे से बिंदी हटा दी और 'अल्लाहु अकबर' कहना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि लेकिन अपनी धार्मिक पहचान छिपाने के ये प्रयास विफल हो गए, क्योंकि बंदूकधारी आतंकवादियों ने महिला के पति और उसके मित्र को भी नहीं बख्शा। मंगलवार को पहलगाम के निकट बैसरन में आतंकवादियों के हमले में मारे गये 26 लोगों में शामिल कौस्तुभ गणबोटे की पत्नी संगीता गणबोटे ने कहा कि जब एक स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति ने हमलावरों से पूछा कि वे निर्दोष लोगों को क्यों मार रहे हैं, तो उन्होंने उसे भी गोली मार दी। गणबोटे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) शरद पवार को हमले के भयावह मंजर के बारे में बताया। पवार शोक संतप्त परिवार से मिलने गए थे, जहां उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। कौस्तुभ गणबोटे के अलावा उनके बचपन के दोस्त संतोष जगदाले भी आतंकी हमले में मारे गये। दोनों परिवार एक साथ कश्मीर की यात्रा पर आये थे, तभी चार हथियारबंद आतंकवादियों के समूह ने उन्हें बैसरन में रोका और उनसे धर्म से संबंधित सवाल पूछने लगे। संगीता गनबोटे ने भावुक होते हुए कहा, ''आतंकवादी सभी से 'अजान' पढ़ने पर जोर दे रहे थे। समूह की सभी महिलाओं ने इसे पढ़ना शुरू कर दिया, लेकिन फिर भी उन्होंने हमारे पुरुषों को मार डाला। एक स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति चारों आतंकवादियों से भिड़ गया और उनसे पूछा कि वे निर्दोष लोगों की हत्या क्यों कर रहे हैं? आतंकवादियों ने उसे भी गोली मार दी।'' उन्होंने कहा, ''जब मेरे पति के दोस्त (जगदाले) को आतंकवादियों ने बुलाया और पूछा कि क्या वह 'अजान' पढ़ सकता है, तो समूह की सभी महिलाओं ने तुरंत अपने माथे से बिंदी हटा दी और 'अल्लाहु अकबर' कहना शुरू कर दिया। लेकिन आतंकवादियों ने उन दोनों (जगदाले और गणबोटे) को मार डाला और वहां से भाग गए।'' पीड़ित जगदाले की बेटी असावरी और उनकी मां प्रतिभा ने भी पवार को भयावह मंजर के बारे में बताया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करे पूरा देश, पहलगाम के गुनहगारों को जरूर मिलेगी सजा : योगी

कानपुर (उप्र) : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूरे भारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर विश्वास करना चाहिए और पहलगाम में पर्यटकों पर हमला करने वाले आतंकवादियों को सजा जरूर मिलेगी। पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए कानपुर के युवक शुभम द्विवेदी के परिजन से मुलाकात करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम हमला एक क्रूर और कायराना हरकत है तथा कोई भी सभ्य समाज इसे स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर पूरे भारत को विश्वास करना चाहिए। सरकार की आतंकवाद के प्रति नीति 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की है और वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूद करेगी। आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है।

आतंकवादी ने हमसे कहा, 'तुमने यहां आतंक मचा रखा है': परिवारों ने पहलगाम की भयावहता बयां की

मुंबई : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी करने से पहले एक आतंकवादी ने चिल्लाते हुए कहा, ''तुमने यहां आतंक मचा रखा है।'' इस नरसंहार में जीवित बचे लोगों ने बृहस्पतिवार को मुंबई के पास डोंबिवली में अपने घर लौटने के बाद यह आपबीती बयां की। ठाणे जिले के डोंबिवली के रहने वाले तीन रिश्तेदार- संजय लेले (50), हेमंत जोशी (45) और अतुल मोने (43) उन 26 लोगों में शामिल थे, जो मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए थे। मृतकों के रिश्तेदारों ने बताया कि कैसे एक सुखद दिन उनके जीवन का सबसे बुरा दिन बन गया, जब चेहरे ढके, सिर पर 'गोप्रो कैमरे' लगाए आतंकवादी, बैसरन स्थित पर्यटक स्थलद आये और निर्दोषों का खून बहाया। संजय लेले के बेटे हर्षल ने कहा, ''वहां कम से कम चार आतंकवादी थे।'' उन्होंने मीडिया को बताया, ''मैंने दो को देखा, लेकिन उनकी हरकतों और कदमों की आवाज से मुझे पता चला कि वे और भी थे। उनकी दाढ़ी थी और उन्होंने भूरे रंग के कपड़े पहने हुए थे, हालांकि मैं यह नहीं कह सकता कि यह वर्दी थी या नहीं।'' हर्षल ने कहा, ''मेरा हाथ मेरे पिता के सिर पर था, तभी मुझे अचानक कुछ गीला-गीला महसूस हुआ। मैंने देखा, ये खून था, उनके सिर पर गोली लगी थी।'' मारे गए अतुल मोने की पत्नी अनुष्का मोने ने बताया कि कैसे हमलावरों से जान की गुहार लगाने की कोशिश करते समय उनके पति की हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा, ''हम अपराह्न एक या 1:30 बजे बैसरन घाटी पहुंचे। धूप खिली थी, और दिन सुहाना था। अचानक हमने गोलियों की आवाज सुनी, लेकिन हमने सोचा कि यह आसपास कोई मनोरंजक गतिविधि है।''

ओडिशा : प्रशांत सत्पथी की चिता को नौ साल के उनके बेटे ने दी मुखाग्नि

बालासोर : सदमे में डूबा नौ वर्षीय तनुज अपने बड़ों के निर्देशों का पालन करते हुए बृहस्पतिवार की सुबह अपने पिता प्रशांत सत्पथी की चिता को मुखाग्नि देते समय कुछ भी समझ नहीं पा रहा था। प्रशांत की पत्नी प्रिया दर्शिनी गमगीन होकर किसी को भी शव को छूने नहीं दे रही थीं और शव को श्मशान ले जाने से मना कर रही थीं। वह थोड़ी-थोड़ी देर में शव से लिपट जाती थीं। बाद में वह बेहोश हो गईं। श्मशान की तरफ जाने वाली सड़क के दोनों ओर मौजूद लोग अंतिम संस्कार के दौरान तनुज को देखकर रो पड़े। नौ साल का तनुज स्थिति को समझ नहीं पा रहा था और वह बस अपने बड़ों के दिए गए निर्देशों का पालन कर रहा था।

राजस्थान : पहलगाम आतंकी हमले में मारे गये नीरज का अंतिम संस्कार

जयपुर : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए चार्टर्ड एकाउंटेंट नीरज उधवानी (33) का बृहस्पतिवार को यहां अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, अनेक मंत्रियों व नेताओं ने उधवानी के घर पहुंचकर उनकी पार्थिव देह पर पुष्पांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस भी बंधाया। उल्लेखनीय है कि कश्मीर में पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकवादी हमले में जयपुर के 33 वर्षीय चार्टर्ड एकाउंटेंट नीरज उधवानी की जान चली गई थी। उधवानी और उनकी पत्नी आयुषी मंगलवार को पहलगाम में गये थे। परिवार के अनुसार, नीरज दुबई में सीए के पद पर कार्यरत थे। वह एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे और सोमवार को जम्मू-कश्मीर गए थे। उनकी शादी फरवरी 2023 में हुई थी।

कभी आतंक का गढ़ रहे कश्मीर के गांव भी अब पहलगाम हमले की निंदा कर रहे

श्रीनगर : कश्मीर घाटी में जनता की भावनाओं में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है, क्योंकि कभी आतंक का गढ़ माने जाने वाले गांव भी अब पहलगाम में 26 लोगों को मारे जाने की निंदा कर रहे हैं। पूर्व में प्रतिबंधित आतंकवादी समूह हिज्बुल मुजाहिदीन के तथाकथित कमांडर बुरहान वानी और रियाज नाइकू के गढ़ या प्रभाव वाले क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाले इलाकों में निवासियों ने ''आतंकवाद बंद करो'' और ''निर्दोष लोगों की हत्या बंद करो'' के नारे लगाए।

कर्नाटक के दो लोगों का पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

बेंगलुरु/ शिवमोगा : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में मारे गए कर्नाटक के दो लोगों का पुलिस सम्मान के साथ बृहस्पतिवार को अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ नारे भी लगाए गए। पहलगाम में आंतकवादियों द्वारा धार्मिक पहचान पूछकर जिन लोगों को गोली मारी गई उनमें कर्नाटक के मंजूनाथ राव और भरत भूषण भी शामिल थे। दोनों का पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मंजूनाथ का अंतिम संस्कार शिवमोगा में किया गया जबकि भूषण का अंतिम संस्कार बेंगलुरु में किया गया। अंतिम संस्कार में मंत्री, नेता, पुलिस अधिकारी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने भारत के समर्थन में नारे लगाए और देश में आतंकवाद प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान की निंदा की। मंजूनाथ की पत्नी पल्लवी ने पत्रकारों से कहा कि 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले के दोषियों को इस तरह से दंडित किया जाना चाहिए कि इससे ऐसे जघन्य अपराधों में शामिल अन्य लोग भयभीत हों।

'रंजन मुस्कुराते हुए कश्मीर के लिए रवाना हुआ': आईबी अधिकारी का शव घर पहुंचते ही रो पड़े पिता

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए आसूचना ब्यूरो (आईबी) अधिकारी मनीष रंजन का शव जैसे ही पुरुलिया जिले में स्थित उनके घर पहुंचा तो उनके पिता एम.के. मिश्रा असहनीय पीड़ा से बिलख उठे। एम.के. मिश्रा पश्चिम बंगाल के झालदा में सेवानिवृत्त प्राधानाध्यापक है और बृहस्पतिवार को उनके 33 वर्षीय बेटे का पार्थिव शरीर उनके घर पहुंचा। ''मैं बोलना नहीं चाहता... कृपया मुझे अकेला छोड़ दीजिए'' यही एकमात्र शब्द थे जो आईबी अधिकारी मनीष रंजन के पिता रुंधे गले से कह सके। रंजन हैदराबाद में आईबी के 'सेक्शन ऑफिसर' के पद पर तैनात थे और पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में उनके सहित 26 लोग मारे गए। उनके पिता ने कहा, ''रंजन मुस्कुराते हुए कश्मीर के लिए रवाना हुआ था। वह हर दिन फोन और 'व्हाट्सएप' पर हमसे हमारा हालचाल पूछता था। उस दिन भी हमने उससे फोन पर बात की थी।'' रंजन के एक मित्र ने बताया कि इस छुट्टी से लौटने के बाद उसने अपने माता-पिता को वैष्णो देवी मंदिर ले जाने की योजना बनाई थी। रंजन का पार्थिव शरीर लेने के लिए बृहस्पतिवार को रांची हवाई अड्डे पर मौजूद संजीव कुमार गुप्ता ने कहा कि वह एक मेधावी छात्र था।

मेरे बेटे ने एक बहादुर सैनिक की तरह जान दी: विनय नरवाल के पिता

चंडीगढ़ : भारतीय नौसेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के पिता ने कहा कि उनका बेटा बहुत अच्छा बच्चा था और ''उसने एक बहादुर सैनिक की तरह जान दी''। विनय नरवाल पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों में से एक थे। विनय के पिता राजेश कुमार ने कहा, यह दुख का पहाड़ है। मेरे और मेरे परिवार के लिए यह अपूरणीय और असहनीय क्षति है। राजेश कुमार ने कहा हालांकि पूरा देश उनके परिवार और मंगलवार को पहलगाम की घटना में जान गंवाने वाले अन्य लोगों के परिवारों के साथ खड़ा है। विनय (26) की करीब एक सप्ताह पहले ही शादी हुई थी और वह अपनी पत्नी हिमांशी के साथ पहलगाम में 'हनीमून' पर गये थे। बुधवार शाम करनाल में विनय का अंतिम संस्कार किया गया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर शोक संतप्त परिवार से मिलने करनाल स्थित उनके घर गए। विनय नरवाल के दादा हवा सिंह को सांत्वना देते हुए खट्टर रो पड़े। राजेश कुमार ने पत्रकारों के पूछने पर बताया कि जब विनय इंजीनियरिंग के तीसरे वर्ष की पढ़ाई कर रहे थे तब उन्होंने एक अधिकारी के रूप में रक्षा बलों में शामिल होने की इच्छा जताई थी।

पहलगाम हमला : मैक्रों, नेतन्याहू, मेलोनी सहित विश्व नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी से बात की

नयी दिल्ली : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत के साथ अपनी एकजुटता प्रकट की। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के अनुसार, मैक्रों ने मोदी के साथ फोन पर बातचीत के दौरान कहा कि आतंकवादी हमले के दौरान सामने आई बर्बरता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी मोदी से बात की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। इशिबा ने मोदी के साथ फोन पर बातचीत में कहा कि आतंकवाद को उचित नहीं ठहराया जा सकता। जायसवाल ने कहा,'' दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद मानवता के लिए गंभीर खतरा है। लोकतंत्र में विश्वास रखने वालों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि मोदी ने ''सीमा पार आतंकवादी हमले संबंधी जानकारी साझा की तथा इससे दृढ़ता और निर्णायक तरीके से निपटने के भारत के संकल्प को व्यक्त किया।'' मंगलवार के आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। इससे भारत और विदेशों में व्यापक आक्रोश फैल गया। जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति मैक्रों ने जम्मू-कश्मीर में हुए जघन्य आतंकवादी हमले में निर्दोष लोगों की 'क्रूर हत्या' पर व्यक्तिगत तौर पर संवेदना व्यक्त की। प्रवक्ता ने कहा, '' राष्ट्रपति ने हमले की कड़ी निंदा की और भारत के लोगों के साथ पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की बर्बरता पूरी तरह से अस्वीकार्य है।''

पाकिस्तान से संबंध मामले में कांग्रेस सांसद, उनके परिवार से एसआईटी पूछताछ करेगी : हिमंत

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य के एक कांग्रेस सांसद की पाकिस्तान से कथित संबंधों की जांच कर रही राज्य पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों का बयान दर्ज करने के लिए जून-जुलाई में तलब करेगी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस बात के सबूत मिले हैं कि सांसद की पत्नी को दिल्ली में काम करने के दौरान भी पाकिस्तान से वेतन दिया जा रहा था। शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मैंने किसी का नाम नहीं लिया है, लेकिन कांग्रेस संसदीय दल के एक महत्वपूर्ण पदाधिकारी और असम के एक सांसद केंद्र सरकार को सूचित किये बिना 15 दिनों तक पाकिस्तान में रहे।'' उन्होंने दावा किया कि सांसद ने चर्चा में आने से बचने के लिए हवाई मार्ग से जाने के बजाय पाकिस्तान में अटारी भूमि सीमा के रास्ते प्रवेश किया। शर्मा ने कहा कि मामले की जांच कर रही राज्य पुलिस की एसआईटी को इस संबंध में अहम सबूत मिले हैं कि सांसद की पत्नी तीन साल तक पाकिस्तान से वेतन ले रही थीं, जबकि वह दिल्ली में काम कर रही थीं। उन्होंने कहा, ''हमारे पास इसे साबित करने के लिए बयान हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसद ने उसी दौरान नेपाल की यात्रा भी की थी। शर्मा ने कहा कि उस दौरान नेपाल में पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई 'बहुत सक्रिय' थी। उन्होंने कहा, ''सांसद का कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं था। यह एक गुप्त यात्रा थी। हम कड़ियों को जोड़ने की कोशिश करेंगे और देखेंगे कि क्या दोनों यात्राओं का आपस में कोई संबंध था।'' उन्होंने कहा कि सांसद और उनके परिवार के सदस्यों को जून-जुलाई में एसआईटी द्वारा तलब किया जाएगा तथा अंतिम रिपोर्ट सितंबर से पहले प्रस्तुत की जाएगी।

पाकिस्तान हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से उड़ानें प्रभावित

उड़ान का समय और किराया बढ़ने की संभावना

नयी दिल्ली/मुंबई : पाकिस्तान द्वारा भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने से दिल्ली व अन्य उत्तरी शहरों से जाने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को अब अपने गंतव्य तक पहुंचने में अधिक समय लगेगा और निकट भविष्य में किराया बढ़ने की भी संभावना है। एअर इंडिया और इंडिगो ने बृहस्पतिवार को बताया कि पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र बंद होने से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई हैं। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया विमानन कंपनी ने बताया कि उत्तरी अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप और पश्चिमी एशिया को जोड़ने वाली उड़ानें अब वैकल्पिक विस्तारित मार्गों से होकर गुजरने की संभावना है। इंडिगो, एअर इंडिया के अलावा एअर इंडिया एक्सप्रेस और स्पाइसजेट भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित करता है। दिल्ली समेत उत्तर भारतीय शहरों से पश्चिम देशों की ओर जाने वाली सभी उड़ानें प्रभावित होंगी।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली ढेर

रायपुर : छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर सुरक्षा बलों से हुई मुठभेड़ में तीन महिला नक्सली ढेर हो गईं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले से लगे पड़ोसी राज्य तेलंगाना की सीमा पर नक्सली गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबलों के संयुक्त दल को नक्सल रोधी अभियान के लिए भेजा गया था। उन्होंने बताया कि दल जब दोनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित करेगुट्टा की पहाड़ी वाले इलाके में था तब सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई और तीन वर्दीधारी महिला नक्सली मारी गईं।

ईडी ने धनशोधन मामले में राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली/जयपुर : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जल जीवन मिशन योजना में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जोशी को जयपुर में हिरासत में लिया। ईडी का कथित धनशोधन मामला राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा जल जीवन मिशन योजना के संबंध में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है। इस योजना का उद्देश्य घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना है। राजस्थान में इस योजना का क्रियान्वयन राज्य के लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा किया जा रहा था। जोशी पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में इस विभाग के मंत्री थे।

केवल तलाक-ए-बिद्दत पर रोक है, तलाक-ए-अहसन पर नहीं: उच्च न्यायालय

मुंबई : बम्बई उच्च न्यायालय ने एक मुस्लिम महिला द्वारा अपने पति एवं सास-ससुर के खिलाफ दायर मुकदमा खारिज करते हुए कहा है कि केवल 'तलाक-ए-बिद्दत' (तत्काल तीन बार तलाक-तलाक बोलना) निषिद्ध किया गया है, न कि तलाक देने के पारंपरिक तरीके 'तलाक-ए-अहसन' को। तलाक-ए-अहसन के तहत एक बार तलाक कहा जाता है, जिसके बाद महिला को इद्दत या तीन महीने की प्रतीक्षा अवधि से गुजरना पड़ता है। उच्च न्यायालय की औरंगाबाद पीठ ने बुधवार को कहा कि मुस्लिम महिला (निकाह से संबंधित अधिकार का संरक्षण) अधिनियम के तहत तलाक की परिभाषा के दायरे में तलाक के वे रूप शामिल हैं जिनका तात्कालिक प्रभाव होता है या जो अपरिवर्तनीय तलाक होते हैं। न्यायमूर्ति विभा कंकनवाड़ी और संजय देशमुख की खंडपीठ ने जलगांव में एक महिला द्वारा अपने पति एवं सास-ससुर के खिलाफ संबंधित अधिनियम की धारा-चार के तहत 2024 में दर्ज मामले को खारिज कर दिया। इस धारा के अनुसार, कोई भी मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को तत्काल तीन तलाक देता है उसे तीन साल तक की कैद की सजा हो सकती है। तलाक की इस प्रक्रिया को तलाक-ए-बिद्दत कहा जाता है। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, ''अधिनियम के तहत, तलाक की परिभाषा में जो वर्णित किया गया है वह तात्कालिक और अपरिवर्तनीय है। तलाक का अर्थ है तलाक-ए-बिद्दत या तलाक का कोई अन्य रूप, जिसका तात्कालिक या अपरिवर्तनीय प्रभाव हो। तलाक के अन्य सभी रूपों पर प्रतिबंध या रोक नहीं है।'' अदालत ने कहा कि इस मामले में व्यक्ति ने अपनी पत्नी को तलाक-ए-अहसन दिया था, जो तलाक की घोषणा है। इसने कहा, ''अंतिम तलाकनामा घोषणा के तीन महीने बाद दिया गया था। तलाक-ए-अहसन का कानूनी प्रभाव केवल 90 दिनों के बाद लागू हुआ, जिसके दौरान दंपति ने सहवास फिर से शुरू नहीं किया था।''

भारत ने अफगानिस्तान को 4.8 टन टीके दान किए

नयी दिल्ली : भारत ने अफगानिस्तान के लोगों को 4.8 टन विभिन्न टीके दान किए हैं। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये टीके रेबीज, टेटनस, हेपेटाइटिस बी और इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों के उपचार के लिए हैं। विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार (एक्सपी) प्रभाग ने कहा, भारत ने अफगानिस्तान के लोगों को 4.8 टन टीके दान किए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस सप्ताह वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के राजकीय अंतिम संस्कार में शामिल होंगी। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। मुर्मू शुक्रवार को दो दिवसीय यात्रा पर वेटिकन सिटी जाएंगी।

धर्म पूछ कर लोगों की हत्या की गई, हिंदू कभी ऐसा काम नहीं करेंगे: भागवत

मुंबई : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों से उनका धर्म पूछकर उनकी हत्या कर दी लेकिन हिंदू ऐसा काम कभी नहीं करेंगे। भागवत ने जम्मू-कश्मीर में मंगलवार को आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि करारा जवाब दिया जाएगा।'' संघ प्रमुख ने कहा, ''लोगों से उनका धर्म पूछा गया और उन्हें मार दिया गया। हिंदू ऐसा काम कभी नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा, '' युद्ध धर्म और अधर्म के बीच है। हमारे दिल में दर्द है। हम गुस्से में हैं लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत दिखानी होगी। रावण ने अपना इरादा नहीं बदला तो और कोई विकल्प नहीं था। राम ने उसे सुधारने का मौका दिया था और उसके बाद मारा था।'' संघ प्रमुख ने यह भी कहा कि ऐसी त्रासदियों और दुर्भावनापूर्ण साजिशों को रोकने के लिए समाज में एकता आवश्यक है। उन्होंने कहा, '' अगर हम एकजुट हैं तो कोई भी हमारी ओर बुरी नीयत से देखने की हिम्मत नहीं करेगा और अगर कोई ऐसा करता है तो उसकी आंख फोड़ दी जाएगी। हमें कड़ी जवाबी कार्रवाई की उम्मीद है।'' संघ प्रमुख ने कहा, '' घृणा और शत्रुता हमारे स्वभाव में नहीं है लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारा स्वभाव नहीं है। एक सच्चे अहिंसक व्यक्ति को शक्तिशाली भी होना चाहिए। अगर शक्ति नहीं है तो कोई विकल्प नहीं है। लेकिन जब शक्ति होती है, तो जरूरत पड़ने पर वह दिखाई देनी चाहिए।''

पहलगाम की घटना ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का धर्म होता है: स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

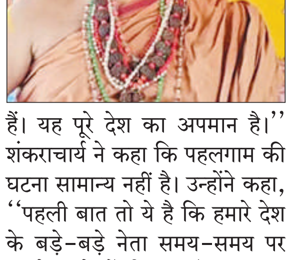

ग्वालियर : ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले ने प्रमाणित कर दिया है कि आतंकवाद का धर्म होता है। पहलगाम में 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन में हुए हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने यहां 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में यह भी कहा कि पहलगाम में लोगों की हत्या ही नहीं है बल्कि यह भारत राष्ट्र को चुनौती है। उन्होंने कहा, ''यह हम सब 80-90 करोड़ हिन्दुओं को चुनौती है। और ये पूरे विश्व को चुनौती है कि देखो कि हम निशाना बनाकर तुम्हारा कैसे अपमान करते हैं। यह पूरे देश का अपमान है।'' शंकराचार्य ने कहा कि पहलगाम की घटना सामान्य नहीं है। उन्होंने कहा, ''पहली बात तो ये है कि हमारे देश के बड़े-बड़े नेता समय-समय पर कहते रहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। नेतागण, बोलने से पहले अब सोचिए...घटना ने प्रमाणित कर दिया कि आतंकवाद का धर्म होता है।'' उन्होंने कहा कि तभी तो लोगों का धर्म पूछकर उन्हें मार दिया गया, किसी एक धर्म विशेष का होने के कारण उनकी हत्या की गई। उन्होंने कहा, ''जिन्होंने जान बचाने के लिए कहा कि वे इस धर्म के नहीं हैं, उनके कपड़े उतरवाकर उनका खतना देखा गया। और फिर गोली मारी गई। इसका एक मतलब तो साफ है और यह सिद्ध हो गया कि आतंकवाद का धर्म होता है।'' शंकराचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि नोटबंदी और अनुच्छेद 370 हट जाने से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा, इसके बावजूद पहलगाम की घटना हुई है तो यह किसकी असफलता है। उन्होंने कहा, ''मोदी जो को आगे आकर जवाब तो देना चाहिए कि कौन विफल रहा है।''

चिन्नास्वामी में खुला आरसीबी की जीत का खाता

राजस्थान की लगातार 5वीं शिकस्त

विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद जोश हेजलवुड की घातक गेंदबाजी की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने राजस्थान रॉयल्स को 11 रन से हरा दिया। गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 205 रन बनाए। यह आरसीबी का इस टीम के खिलाफ सबसे बड़ा स्कोर है। जवाब में राजस्थान की टीम निर्धारित ओवरों में नौ विकेट खोकर सिर्फ 194 रन ही बना सकी। उनके लिए यशस्वी जायसवाल ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। वहीं, आरसीबी के लिए हेजलवुड ने चार विकेट झटके जबकि क्रुणाल पांड्या को दो विकेट मिले। इसके अलावा भुवनेश्वर कुमार और यश दयाल ने एक-एक सफलता अपने नाम की।

अपने घरेलू मैदान पर आरसीबी ने सत्र की पहली जीत दर्ज की। इससे पहले उन्होंने चिन्नास्वामी में तीन मुकाबला गंवाए थे। नौ में से छह मैच जीत चुकी बेंगलुरु 12 अंक और 0.482 के नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई। वहीं, राजस्थान लगातार पांच मैचों में शिकस्त के साथ आठवें स्थान पर बनी हुई है। उनका नेट रन रेट -0.625 हो गया है।

इस मैच में फिल सॉल्ट और विराट कोहली ने आरसीबी को सधी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी हुई। वानिंदु हसरंगा ने सातवें ओवर में सॉल्ट को अपना शिकार बनाया। वह 23 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए। इसमें चार चौके शामिल हैं।

इसके बाद किंग कोहली को देवदत्त पडिक्कल का साथ मिला। दूसरे विकेट के लिए दोनों ने 51 गेंदों में 95 रन जोड़े। इस दौरान आरसीबी के पूर्व कप्तान ने 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके आईपीएल करियर का 60वां पचासा है जबकि मौजूदा सत्र का पांचवां अर्धशतक है। वह 42 गेंदों में 70 रनों की तूफानी पारी खेलकर पवेलियन लौटे। इस दौरान उनके बल्ले से आठ चौके और दो छक्के निकले। वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने 27 गेंदों नें 50 रन बनाए। उनके अलावा टिम डेविड ने 23, रजत पाटीदार ने एक रन बनाया। इसके अलावा जितेश शर्मा चार चौके की मदद से 20 रन बनाकर नाबाद रहे। राजस्थान के लिए संदीप शर्मा ने दो विकेट लिए जबकि जोफ्रा आर्चर और वानिंदु हसरंगा ने एक-एक सफलता हासिल की।

मांडविया ने खिलाड़ियों के लिए डिजिलॉकर शुरू किया

नयी दिल्ली : रिकॉर्ड रखने की प्रक्रिया को सरल बनाने की कवायद के तहत खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने खिलाड़ियों के लिए डिजिलॉकर सुविधा शुरू करते हुए कहा कि राष्ट्रीय महासंघों के लिए अगले एक साल के भीतर खिलाड़ियों के प्रमाण पत्र और अन्य जरूरी दस्तावेजों को डिजिटल रूप देना अनिवार्य होगा। मांडविया ने 40 राष्ट्रीय खेल महासंघों के प्रतिनिधियों और तोक्यो ओलंपिक रजत विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू और हॉकी खिलाड़ी जरमनप्रीत सिंह सहित कुछ खिलाड़ियों की मौजूदगी में औपचारिक रूप से इस पहल की शुरुआत की। मांडविया ने याद करते हुए कहा, ''एक खिलाड़ी, एक युवा लड़की, एक बार आंखों में आंसू लिए मेरे पास आई थी और बताया था कि उसने नौकरी का मौका गंवा दिया क्योंकि उसके प्रमाण पत्र को सत्यापित नहीं माना गया और वह राष्ट्रीय महासंघ से मूल प्रमाण पत्र प्राप्त करने में विफल रही।' उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं सभी को बताना चाहता हूं कि डिजिलॉकर अनिवार्य है। मैं शोषण की अनुमति नहीं दूंगा।' मांडविया ने इस 'क्लाउड आधारित' स्टोरेज मंच तथा दस्तावेजों और प्रमाण पत्र के सत्यापन को औपचारिक रूप से शुरू किया जिससे भारतीय डिजिटल निगम (डीआईसी) ने विकसित किया है। तकनीकी प्रगति से उत्साहित चानू ने कहा, 'जब हम ट्रेनिंग लेते हैं और विदेश जाते हैं तो हमें इन दस्तावेजों की आवश्यकता होती है और उन्हें साथ ले जाना हमेशा संभव नहीं होता। डिजिलॉकर बहुत सी तार्किक समस्याओं का समाधान करता है। हम घर से दूर रहते हैं और हमें कई बार प्रमाण पत्र (भागीदारी और योग्यता) मंगवाने पड़ते हैं। मैं इस पहल से बहुत खुश हूं।' मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) से कहा है कि वे इस वर्ष के अंत तक जिला स्तर तक सभी पिछले प्रमाण पत्रों को डिजिटल कर दें। मांडविया के पूर्ववर्ती अनुराग ने इससे पूर्व पिछले साल डिजिलॉकर लांच किया था और रिकॉर्ड को पूरी तरह से डिजिटल करने के लिए इस साल के शुरुआत की समय सीमा रखी थी।

एशियाई अंडर 15 और अंडर 17 मुक्केबाजी : पांच और भारतीय सेमीफाइनल में

अम्मान (जोर्डन) : पांच भारतीय मुक्केबाज एशियाई अंडर 15 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। लड़कों के अंडर 15 वर्ग में नेल्सन के (55 किलो) ने पहले दौर में चीनी ताइपै के वांग शेंग यांग को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने (आरएससी) के आधार पर हराया। अभिजीत (61 किलो) और लक्ष्य फोगाट (64 किलो) ने किर्गीस्तान और जोर्डन के प्रतिद्वंद्वियों पर 5 . 0 से जीत दर्ज की। लड़कियों में प्रिंसी (52 किलो) ने यूक्रेन की येवा कुबानोवा को 5 . 0 से हराया। समृद्धि सतीश शिंदे (55 किलो) ने यूक्रेन की सेनिया साविना को आरएससी पर मात दी। छह भारतीय पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को जान से मारने की धमकी

नयी दिल्ली : भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को कथित रूप से धमकी भरे ईमेल मिले हैं जिसके बाद उनकी सुरक्षा संबंधी चिंता पैदा हो गई है। दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। गंभीर को ये धमकी भरे ईमेल एक संदिग्ध जीमेल खाते से 22 अप्रैल को मिले। इसी दिन आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों को मार दिया था जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। पुलिस उपायुक्त (मध्य) एम हर्षवर्धन ने एक बयान में कहा, 'हमें गौतम गंभीर से जुड़ी एक ईमेल आईडी पर कथित रूप से धमकी भरे ईमेल प्राप्त होने के बारे में सूचित किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।'अधिकारी ने कहा,'गौतम गंभीर पहले से ही दिल्ली पुलिस की सुरक्षा में हैं और हम विशिष्ट सुरक्षा व्यवस्था पर टिप्पणी नहीं करते हैं।''पुलिस सूत्रों ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व सांसद गंभीर को 'आईएसआईएस कश्मीर' नाम के प्रेषक से दो धमकी भरे मेल मिले है जिनमें 'आई किल यू' (मैं तुम्हें मार दूंगा) लिखा है। इस संबंध में राजिंदर नगर पुलिस स्टेशन में धमकी भरे मेल के स्क्रीनशॉट के साथ शिकायत दर्ज की गई है।शिकायत में कहा गया है, 'प्रिय महोदय, नमस्कार। जैसा कि हमने बात की, कृपया भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर (पूर्व सांसद) की मेल आईडी पर प्राप्त 'धमकी भरे मेल' को नीचे देखें। कृपया तदनुसार प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करें और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करें।' यह पहली बार नहीं है जब गंभीर को धमकी दी गई है। इससे पहले 2022 में भी उन्हें इसी तरह की धमकियां मिली थीं जिसके बाद उनकी सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी।

कोहली से बातचीत के बाद निहाल वढेरा ने कहा, उनसे 'फीडबैक' मिलना अद्भुत अहसास

कोलकाता : पंजाब के युवा खिलाड़ी निहाल वढेरा को तब पता चला कि विराट कोहली उन्हें उनके नाम से जानते हैं तो उनके लिए यह अद्भुत अहसास था और जब उन्हें अपने खेल पर इस महान क्रिकेटर से ही 'फीडबैक' मिला तो उनका दिन ही बन गया। बारिश से प्रभावित मैच में पंजाब किंग्स की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर मिली पांच विकेट की जीत के दौरान नाबाद 33 रन की विजयी पारी खेलने वाले बढेरा ने कहा कि मैच से पहले जब कोहली ने उन्हें पहचाना तो वह भौंचक्के रह गए। वढेरा ने कहा, 'जब मैच से पहले विराट भाई श्रेयस अय्यर से बात कर रहे थे और उन्होंने पंजाबी में पूछा 'की हाल चाल, निहाल' (कैसे हो निहाल?)। मैं सचमुच चौंक गया था।' उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद नहीं थी कि उन्हें मेरा नाम याद होगा। इससे मुझे बहुत खुशी हुई।' वढेरा ने कहा कि उस पल ने उनके लिए बातचीत की शुरूआत की जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

न्यूज अपडेट

कुजूर का 200 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड, चित्रावेल ने त्रिकूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की

कोच्चि : ओडिशा के धावक अनिमेष कुजूर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के अंतिम दिन 200 मीटर दौड़ में 20.40 सेकेंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता और एशियाई में सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी बने। पुरुष 100 मीटर के रजत पदक विजेता 21 साल के कुजूर ने अमलान बोरगोहेन के 20.52 सेकेंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया जो उन्होंने 2022 में बनाया था। रिलायंस का प्रतिनिधित्व कर रहे बोरगोहेन 20.80 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कुजूर 20.40 सेकेंड के प्रयास में एशिया में मौजूदा सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले और फिलहाल दुनिया में संयुक्त रूप से 35वां सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी बने। पुरुष 200 मीटर फाइनल दौड़ देश में इस स्पर्धा की अब तक की सबसे तेज दौड़ रही जिसमें चार खिलाड़ियों ने 21 सेकेंड से कम का समय लिया। तमिलनाडु के राहुल कुमार जी 20.85 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहे जबकि कर्नाटक के मणिकांत होबलीधर ने 20.91 सेकेंड से चौथा स्थान हासिल किया। कुजूर हालांकि 20.16 सेकेंड के विश्व चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग स्तर से पीछे रहे जो किसी भारतीय 200 मीटर धावक के लिए काफी मुश्किल लक्ष्य है। कुजूर ने हालांकि एशियाई चैंपियनशिप के लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा तय 20.53 सेकेंड के स्तर से बेहतर प्रदर्शन किया। कुजूर ने स्पर्धा के फाइनल के बाद कहा, ''सुबह की हीट रेस के दौरान मुझे अच्छा महसूस हुआ। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और आखिरकार पदक दौर में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करने में सफलता मिली।'

कनेरिया ने पाक प्रधानमंत्री पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगाया, मोदी की सराहना की

नई दिल्ली : पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर 'आतंकवादियों को पनाह देने और पालने' का आरोप लगाया है और आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। ब्रिटेन में रह रहे 44 वर्षीय कनेरिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि शरीफ ने हमले पर चुप्पी साध रखी है जो पाकिस्तान की भूमिका का संकेत है। शरीफ ने भले ही इस घटना पर व्यक्तिगत रूप से कोई टिप्पणी नहीं की हो लेकिन पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने जानमाल के नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। इंग्लिश काउंटी क्रिकेट में कथित तौर पर स्पॉट फिक्सिंग के लिए प्रतिबंध झेलने वाले कनेरिया ने लिखा, 'अगर पाकिस्तान की पहलगाम आतंकी हमले में वाकई कोई भूमिका नहीं है तो प्रधानमंत्री शहबाज ने अभी तक इसकी निंदा क्यों नहीं की? आपकी सेना अचानक हाई अलर्ट पर क्यों है? क्योंकि अंदर से आप सच्चाई जानते हैं - आप आतंकवादियों को पनाह और पोषण दे रहे हैं। शर्म आनी चाहिए।' वर्ष 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमले में मंगलवार को पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों को मार डाला जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े 'द रेसिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने इसकी जिम्मेदारी ली। एक अन्य पोस्ट में पाकिस्तान के लिए खेलने वाले सिर्फ दूसरे हिंदू क्रिकेटर कनेरिया ने बृहस्पतिवार को हमले के खिलाफ कड़ा संदेश देने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की सराहना की।

वर्ष 10, पूर्णांक 4217 अंक 027, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in